E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 14 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, मंगलवार 28 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

अस्पताल से डिस्चार्ज होकर राजघाट पहुंचे सोनम वांगचुक, बोले- 'इस्तीफा एक शुरुआत, उम्मीद है सिस्टम बेहतर होगा'

गुरुग्राम। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक राजघाट पहुंचे। राजघाट में महात्मा गांधी यानी बापू की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद उन्होंने देशहित में बड़ी बात कही। सोनम वांगचुक ने आज कहा, 'इस्तीफा बस एक शुरुआत है, उम्मीद है कि अब देश के सिस्टम में सुधार आएगा।' सोनम वांगचुक ने कहा कि आज के इस सोशल मीडिया युग में भी गांधी जी और उनकी सीख प्रासंगिक है। महात्मा गांधी के विचारों के हवाले से उन्होंने कहा कि अहिंसा आज भी सबसे प्रभावी रास्ता है। मेरा मानना है कि सरकारों को जनता की आवाज सुननी चाहिए, क्योंकि संवाद से ही समाधान निकलता है।' मीडिया से बात करते हुए सोनम वांगचुक ने देश के युवाओं, छात्रों और केंद्र सरकार सभी को सीधा संदेश देते हुए देशहित में सकारात्मक रवैया अपनाते हुए शांति से काम करने की अपील की। वांगचुक ने कहा कि महात्मा गांधी ने दुनिया को दिखाया था कि बिना हिंसा के भी बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। उनका मानना है कि लाठियों और पत्थरों से ज्यादा असर जनता की आवाज का होता है। इसलिए शासकों को लोगों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी का अहिंसा का रास्ता आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले था। राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सोनम वांगचुक ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता और सरकार के बीच सतत संवाद है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को सकारात्मक रूप से सुनना और उसका समाधान संवाद के माध्यम से निकालना आवश्यक होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश में जनभागीदारी और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहें तथा सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीकों से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, जिम्मेदार नागरिकता और रचनात्मक प्रयासों के माध्यम से ही देश के विकास में प्रभावी योगदान दिया जा सकता है। सोनम वांगचुक ने कहा कि समाज में स्थायी परिवर्तन केवल विरोध से नहीं, बल्कि जागरूकता, शिक्षा और सामूहिक प्रयासों से संभव है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और जनसहभागिता के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये मूल्य आज भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से मतभेदों को संवाद और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से सुलझाने की अपील की। राजघाट पर उनके आगमन के दौरान कई समर्थक और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने बापू की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी और देश में शांति, सद्भाव तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उनके इस दौरे और बयान को लेकर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक वर्गों में चर्चा का दौर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपरा संवाद, सहिष्णुता और विविधता के सम्मान पर आधारित है। किसी भी मतभेद का समाधान शांतिपूर्ण वार्ता और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ही संभव है। लोकतांत्रिक मूल्यों और शांतिपूर्ण जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाला संदेश बताया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता।

केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण हो तो केवल उसके आयोजन के आधार पर बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

इस्तीफे के बाद संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, बीजेपी सांसदों ने लगाए 'जिंदाबाद' के नारे

नई दिल्ली। पेपर लीक को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद इस्तीफा देने वाले पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। कार से उतरते ही उन्होंने मुस्कुराकर हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। बीजेपी सांसदों ने धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद के नारे लगाकर उनका जोरदार स्वागत किया। सांसद उनके चारों ओर जमा हो गए। एक सांसद ने उन्हें पारंपरिक टोपी पहनाई और कंधे पर शॉल भी।

संसद परिसर में धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत का यह दृश्य कुछ समय तक चर्चा का विषय बना रहा। भाजपा सांसदों ने उनके प्रति समर्थन और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया है। सांसदों ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए उनके सार्वजनिक जीवन और संगठनात्मक अनुभव की सराहना की। संसद भवन में प्रवेश के दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने मीडिया के सवालों पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी।

उन्होंने केवल हाथ जोड़कर अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए सदन की ओर बढ़ गए। उनके संयमित व्यवहार और संक्षिप्त प्रतिक्रिया को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा रही।

विपक्ष ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता दोहराई, जबकि भाजपा नेताओं ने कहा कि सरकार परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

जयपुर में ट्रैक्टर-ट्रॉली में गाय-बछड़े लेकर संतों ने निकाली रैली, गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

जयपुर। गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने और देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को जयपुर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत हजारों लोग सड़कों पर उतरे। मानसरोवर के वी.टी. रोड ग्राउंड से शुरू हुई रैली में विभिन्न संप्रदायों के संत-महात्मा, गोभक्त और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। रैली के बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह अभियान देशभर के 790 जिलों में एक साथ आयोजित किया गया। रैली में शामिल लोग केसरिया ध्वज लेकर ढोल-मृदंग और भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में गाय और बछड़ों को भी लाया गया। शोभायात्रा वी.टी. रोड और शिप्रा पथ क्षेत्र से होकर निकली। मंच पर विभिन्न संप्रदायों के सैकड़ों संत-महात्मा मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान गो संरक्षण और गौ माता के सम्मान से जुड़े नारे लगाए गए। राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में गो माता को राष्ट्रमाता, राष्ट्र देव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार जैसे सम्मानित राष्ट्रीय दर्जों में से किसी एक का दर्जा देने की मांग की गई है। इसके साथ ही पूरे देश में गो संरक्षण के लिए केंद्रीय कानून बनाने और गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन में कृषि विश्वविद्यालयों में गोबर और गोमूत्र पर अनुसंधान केंद्र स्थापित करने, गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी के उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाने तथा गोबर और गोमूत्र आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने की मांग भी शामिल है। रैली को संबोधित करते हुए विभिन्न संत-महात्माओं और वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व रहा है। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर नहीं चलेगा बुलडोजर, मुरादाबाद कमिश्नर ने आदेश पर लगाई रोक

रामपुर/मुरादाबाद। रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सपा नेता आजम खान के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त करने के आदेश पर फिलहाल रोक लग गई है। विश्वविद्यालय प्रबंधन की अपील पर सुनवाई करते हुए मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने रामपुर विकास प्राधिकरण के आदेश पर स्टे दे दिया है। इस फैसले के बाद विश्वविद्यालय को फिलहाल बड़ी राहत मिली है, जबकि मामले की आगे सुनवाई कमिश्नर कोर्ट में होगी। बता दें कि बीते दिनों रामपुर विकास प्राधिकरण ने जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए ध्वस्त करने का आदेश जारी किया था। इस फैसले के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रबंधन ने मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर के समक्ष अपील दायर की थी। मामले की सुनवाई के दौरान मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने रामपुर विकास प्राधिकरण के ध्वस्तीकरण आदेश के क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी। इसके बाद फिलहाल विश्वविद्यालय की इमारतों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। ध्वस्तीकरण के इस आदेश के बाद विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी थीं। कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर कई सामाजिक-राजनीतिक संगठन और नेता सामने आए:

प्रतिनिधिमंडल का दौरा: 'जमात-ए-इस्लामी हिंद' (JIH) के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा कर वहां के शिक्षकों, छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रशासन से मुलाकात कर अपना समर्थन जताया।

राज्यपाल के नाम ज्ञापन: प्रतिनिधिमंडल ने रामपुर जिला मजिस्ट्रेट (DM) के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

शैक्षणिक हितों की रक्षा की मांग: ज्ञापन के जरिए राज्य सरकार से अपील की गई कि यूनिवर्सिटी परिसर में किसी भी तरह की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, ताकि वहां पढ़ रहे हजारों छात्रों का शैक्षणिक सत्र और भविष्य सुरक्षित रह सके।

मुरादाबाद मंडलायुक्त (कमिश्नर) द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश पर स्टे दिए जाने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन, शिक्षकों और वहां अध्ययनरत छात्रों ने राहत की सांस ली है। मंडलायुक्त के अंतरिम आदेश के बाद अब मामले की सुनवाई कमिश्नर कोर्ट में होगी, जहां विश्वविद्यालय प्रबंधन और रामपुर विकास प्राधिकरण दोनों अपने-अपने पक्ष और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे। अंतिम निर्णय आने तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक प्रभावी रहेगी।

मामले के परिणाम पर विश्वविद्यालय परिसर, छात्रों और संबंधित पक्षों की नजरें टिकी हुई हैं।

विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि संस्थान में बड़ी संख्या में छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं और किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई से उनकी पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी को डाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ की जगह लेने का आदेश दिया

हैदराबाद। तेलंगाना हाई कोर्ट ने सोमवार को मुख्य सचिव को अदालत के आदेशों की बार-बार अवहेलना करने के लिए हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के आयुक्त एवी रंगनाथ को तत्काल पद से हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अनिल कुमार जुकांति ने मुख्य सचिव संजय जाजू से हाइड्रा के प्रमुख के रूप में रंगनाथ के स्थान पर एक उपयुक्त अधिकारी की पहचान करने को कहा। हाई कोर्ट ने लोथकुंटा में 40 एकड़ भूमि के एक भूखंड से संबंधित अवमानना मामले पर यह निर्देश दिया, जिसमें एक निजी निर्माण कंपनी शामिल थी। न्यायाधीश ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि उनके डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान हाई कोर्ट में हाइड्रा कमिश्नर के खिलाफ कथित तौर पर 63 अवमानना के मामले लंबित हैं। अदालत ने पाया कि सचिव स्तर के अधिकारी द्वारा अदालत की अवमानना करना अनुचित था।

बिहार बंद हिंसा : 694 हिरासत में, 355 जेल भेजे गए, सिवान एके-47 फायरिंग मामले में सिपाही निलंबित

पटना। बिहार पुलिस मुख्यालय ने 25 जुलाई को विभिन्न छात्र संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र-युवा संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शन और बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा को लेकर जानकारी जारी करते हुए सोमवार को बताया कि राज्यभर में कुल 694 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें सत्यापन के बाद 339 नाबालिगों और छात्रों को छोड़ दिया गया, जबकि हिंसक घटनाओं में संलिप्त पाए गए 355 लोगों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कई जिलों में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई। हिंसा में कुल 91 पुलिस पदाधिकारी और जवान घायल हुए हैं। घायलों में सिवान और सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक के अलावा दो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी शामिल हैं। कई थाना प्रभारियों को भी गंभीर चोटें आई हैं, जबकि गांधी मैदान थाना प्रभारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

E20 से जुड़े पोस्ट के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचे नितिन गडकरी, मेटा-गूगल पर केस दर्ज कराने की मिली परमिशन

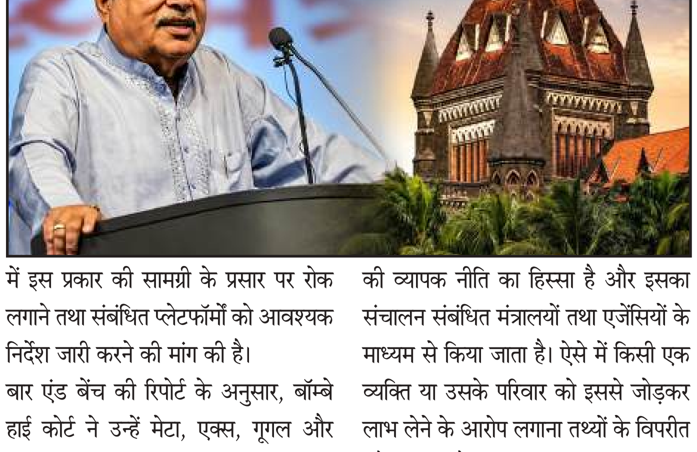

सरकार की ई20 एथनॉल ब्लेंड फ्यूल पॉलिसी को लेकर निशाना बनाते हुए अपमानजनक पोस्ट और डीपफेक शेयर किए जाने को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी नेता ने इस कंटेंट को लेकर मेटा, एक्स, गूगल और अन्य के खिलाफ सिविल केस दायर करने की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर कुछ कंटेंट उन्हें और उनके परिवार को ई20 मुनाफे से जोड़ रहा है, जबकि यह पॉलिसी पेट्रोलियम मंत्रालय चला रहा है। उनकी याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में झूठा दावा किया जा रहा है कि वे इस कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार थे और वे तथा उनका परिवार इससे फायदा उठा रहे हैं। याचिका में नितिन गडकरी ने कहा है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे कथित डीपफेक वीडियो, संपादित तस्वीरें और भ्रामक पोस्ट उनकी सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हैं। उन्होंने अदालत से ऐसे सभी आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने, भविष्य में इस प्रकार की सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने तथा संबंधित प्लेटफॉर्मों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें मेटा, एक्स, गूगल और अन्य संबंधित पक्षों के खिलाफ सिविल वाद दायर करने की अनुमति प्रदान की है। अब मामले की सुनवाई के दौरान अदालत यह तय करेगी कि संबंधित पोस्ट और डिजिटल सामग्री मानहानिकारक या भ्रामक श्रेणी में आती है या नहीं तथा उन्हें हटाने अथवा अन्य राहत देने की आवश्यकता है या नहीं। याचिका में यह भी कहा गया है कि ई20 एथनॉल मिश्रित ईंधन नीति केंद्र सरकार की व्यापक नीति का हिस्सा है और इसका संचालन संबंधित मंत्रालयों तथा एजेंसियों के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में किसी एक व्यक्ति या उसके परिवार को इससे जोड़कर लाभ लेने के आरोप लगाना तथ्यों के विपरीत और भ्रामक है।

गडकरी का कहना है कि इस तरह की पोस्ट आम लोगों के बीच गलत धारणा पैदा करती हैं और उनकी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करती हैं। हाल के वर्षों में डीपफेक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से तैयार किए गए भ्रामक वीडियो और तस्वीरों को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ी हैं।

स्पीकर ओम बिरला की अपील का दिखा असर, सभी दल एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा को हुए राजी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की पहल और सदन में लगातार बनाए गए संवाद का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

संसद में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक, 2026 पर गतिरोध समाप्त हो गया है और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने मंगलवार से इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है। सदन की कार्यवाही के दौरान अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी दलों से आग्रह किया था कि यह विषय देश के करोड़ों विद्यार्थियों, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस पर व्यापक और सार्थक चर्चा होना उचित है। सूत्रों के अनुसार, इस सकारात्मक पहल के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स से लोकसभा स्पीकर ने स्वयं बातचीत की। इसके परिणामस्वरूप सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सहमति बनाते हुए मंगलवार को विधेयक पर विस्तृत चर्चा कराने का निर्णय लिया। इससे सदन में सहमति और संवाद की भावना को भी बल मिला है। यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है।

संपादकीय

एकीकृत जल प्रबंधन से राजस्थान में जल सुरक्षा और कृषि समृद्धि को मिलेगी नई दिशा

बीकानेर में अध्यापक लेवल-1 और लेवल-2 की अस्थायी वरिष्ठता सूची जारी, 10 अगस्त तक दर्ज कर सकेंगे आपत्तियां

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर ने राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के प्रावधानों के तहत सीधी भर्ती से नियुक्त अध्यापक लेवल-1 एवं लेवल-2 की अस्थायी वरिष्ठता सूची (प्रोविजनल सीनियरिटी लिस्ट) जारी कर दी है। जारी नोटिस के अनुसार, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2026 के बीच नियुक्त शिक्षकों की जिले में वर्तमान कार्यरत स्थिति के आधार पर यह अस्थायी वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई है। आपत्तियां पीईईओ/यूसीईईओ से अनुमोदित प्रार्थना पत्र एवं प्रपत्र-10 सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ स्वयं उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा करनी होंगी।

एअर इंडिया की फ्लाइट लेट होने पर भड़के हनुमान बेनीवाल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। एअर इंडिया की जयपुर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट सोमवार सुबह लेट होने पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने नाराजगी जताते हुए सरकार पर निशाना साधा। बेनीवाल को सुबह 11 बजे से चल रहे संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले दिल्ली पहुंचकर विपक्ष के साथी सांसदों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करनी थी। लेकिन एअर इंडिया की जयपुर-दिल्ली उड़ान (AI 1834) निर्धारित समय 8:50 बजे उड़ान नहीं भर सकी। विमान ने एक घंटे और 20 मिनट की देरी से करीब 10:10 बजे उड़ान भरी। समय पर दिल्ली नहीं पहुंच पाने से नाराज बेनीवाल ने X (ट्विटर) पर लिखा- देश में आए दिन उड़ानों में हो रही देरी और अव्यवस्था से लाखों यात्री परेशान हैं। लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी और सिविल एविएशन मिनिस्टर के. राममोहन नायडू इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार का एयरलाइंस के संचालन और समयबद्धता पर कोई प्रभावी नियंत्रण ही नहीं बचा है। उन्होंने लिखा- सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि देश की विमानन व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करना और यात्रियों के समय का सम्मान करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। इससे लगातार मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। एअर इंडिया को टैग करते हुए उन्होंने लिखा- अक्सर उनकी उड़ानों में लेटलतीफी होती है, लेकिन सरकार न तो एअर इंडिया की जवाबदेही तय करती है और न ही सुधार के प्रयास करती है। बेनीवाल की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर भी विमान सेवाओं की समयबद्धता को लेकर चर्चा तेज हो गई।

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में जल संसाधनों के दीर्घकालिक, टिकाऊ एवं अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सचिवालय में सोमवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान नदी बेसिन एंड वाटर रिसोर्सेज प्लानिंग अथॉरिटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य सचिव ने प्रदेश में जल सुरक्षा, पेयजल आपूर्ति तथा सिंचाई क्षमता के विस्तार हेतु सभी 11 संबंधित विभागों को अंतर-विभागीय समन्वय के साथ मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक का मुख्य एजेंडा प्रदेश के प्रत्येक नदी बेसिन में जल की उपलब्धता, वर्तमान परियोजनाओं एवं उनमें आ रही चुनौतियों की समीक्षा तथा 'विकसित राजस्थान@2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के तालमेल से एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन के अनुरूप योजना बनाना और जल क्षेत्रों को प्रदूषण से बचाना रहा। समग्र बेसिन योजना एवं समन्वित प्रबंधन के निर्देश -

मुख्य सचिव ने जल संसाधन सहित प्राधिकरण से सम्बंधित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में वर्तमान में उपलब्ध सीमित जल के समुचित एवं अधिकतम उपयोग को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के तालमेल से प्रत्येक बेसिन की समग्र परियोजना तैयार की जाए। परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन, जल वितरण एवं कमान क्षेत्र के सुव्यवस्थित प्रबंधन हेतु कमान क्षेत्र विकास गठित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रही जल संसाधन परियोजनाओं, नहरी तंत्रों एवं अधूरे पड़े कार्यों को निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि आमजन को उनका त्वरित लाभ मिल सके। जल दक्षता, फसल चक्र एवं सतही जल के उपयोग को बढ़ावा - वी. श्रीनिवास ने कृषि में जल की हर बूंद के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु नहरी दक्षता बढ़ाने तथा ड्रिप, स्प्रिंकलर एवं सोलर आधारित पाइपलाइन योजनाओं को व्यापक स्तर पर अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जल उपलब्धता को देखते हुए किसानों को कम पानी में अधिक उपज देने वाली फसलों को अपनाने हेतु जागरूक व प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, नदियों और जलाशयों के सतही जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए पेयजल आपूर्ति के लिए भूजल पर निर्भरता कम करने और डार्क जोन की समस्या से निजात दिलाने के निर्देश दिए गए।

रिवर बेसिन योजनाओं का अद्यतनीकरण कर कमांड क्षेत्र में वृद्धि का लक्ष्य -

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में 1990 के दशक के मध्य के बाद से सभी 16 नदी बेसिन योजनाओं का समयबद्ध अद्यतनीकरण किया जा रहा है, जिसके तहत आधुनिक तकनीकों, जल दक्षता और नहरी सुधारों के बल पर प्रदेश के सिंचाई कमांड क्षेत्र में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बेसिनों के प्रस्तुतीकरण संबंधित हितधारक विभागों को भिजवाकर उनसे त्वरित टिप्पणी एवं सुझाव प्राप्त किए जाएं।

प्रमुख नदी बेसिनों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा -

बैठक के प्रारंभ में राजस्थान नदी बेसिन प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राज पाल सिंह ने प्राधिकरण के गठन एवं कार्यों की जानकारी दी।

माही परियोजना के मुख्य अभियंता ने माही बेसिन की विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसके अंतर्गत बजट घोषणाओं के अनुसार माही बेसिन के अधिशेष जल को जयसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जवाई बांध तथा लूनी बेसिन तक पहुँचाने की योजनाओं की डीपीआर एवं प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य अभियंता, हनुमानगढ़ ने उत्तर संभाग (हनुमानगढ़, गंगानगर) में सीमित सतही जल एवं रावी, व्यास तथा सतलज नदियों से अंतरराज्यीय समझौतों के तहत प्राप्त जल की स्थिति पर प्रकाश डाला।

जोधपुर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षारंभ सत्र में शामिल हुईं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

किशनगढ़-कोटपुतली। राजस्थान के किशनगढ़-कोटपुतली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित निर्माण को लेकर किसानों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार को क्षेत्र के कई गांवों के किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ चौमूं उपखंड कार्यालय के लिए रवाना हुए। किसान अपनी मांगों को लेकर SDM को ज्ञापन सौंपने पहुंचे और परियोजना पर पुनर्विचार की मांग की। चौमूं पहुंचने से पहले किसानों ने तातेड़ा मोड़ पर हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की।

कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा, हालांकि बाद में पुलिस और प्रशासन की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हुई। आसपास के गांवों से किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर आंदोलन में शामिल हुए। किसानों का कहना है कि प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से उनकी कृषि भूमि प्रभावित होगी। उनका कहना है कि किसानों की सहमति के बिना परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसी भी परियोजना के क्रियान्वयन से पहले प्रभावित किसानों के हितों और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनका कहना था कि वर्षों से जिस कृषि भूमि पर उनका जीवन और परिवार निर्भर है, उसके अधिग्रहण से पहले उनकी आपत्तियों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

राजस्थान में 24,752 संविदा सफाई कर्मचारियों की भर्ती, 15 अगस्त से शुरू होंगे आवेदन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी भर्ती का ऐलान किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान ने प्रदेश के 183 नगरीय निकायों में 24,752 संविदा सफाई कर्मचारी पदों पर सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 अगस्त 2026 से शुरू होकर 28 सितंबर 2026 की रात 11:59 बजे तक किए जा सकेंगे। भर्ती की सबसे खास बात यह है कि सफाई कर्मचारी पद के लिए कोई शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि अभ्यर्थी का राजस्थान का मूल निवासी होना तथा राज्य के किसी भी नगरीय निकाय में सफाई कार्य का कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य होगा। यह अनुभव लगातार एक वर्ष या अलग-अलग अवधियों को जोड़कर भी मान्य होगा, बशर्ते सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट मिलेगी।

योग्यता परीक्षा व साक्षात्कार के बाद 23 एएसआई बने उप निरीक्षक, बीकानेर रेंज में पदोन्नति प्रक्रिया संपन्न

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पुलिस मुख्यालय, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार बीकानेर रेंज में सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) से उप निरीक्षक (एसआई) पदोन्नति वर्ष 2023-24 के लिए योग्यता परीक्षा एवं साक्षात्कार का आयोजन सोमवार को बीकानेर रेंज मुख्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पदोन्नति प्रक्रिया के लिए गठित बोर्ड की अध्यक्षता बीकानेर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश ने की। बोर्ड में सदस्य के रूप में आरपीटीसी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस देवेन्द्र कुमार विश्नोई तथा बीकानेर जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा मौजूद रहे। इस दौरान अभ्यर्थियों के ज्ञान, कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा अभिलेखों का निर्धारित मानकों के अनुसार मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरी चयन प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराई गई। बीकानेर रेंज में एएसआई से एसआई पदोन्नति के लिए कुल 23 पदों पर चयन किया गया है। इनमें सामान्य वर्ग के 12, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 4 तथा अनुसूचित जाति (एससी) के 7 पद शामिल हैं। महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश ने चयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यशैली के साथ पुलिस विभाग की गरिमा को और मजबूत करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि पदोन्नत अधिकारी जनता की सेवा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बोर्ड अध्यक्ष एवं सदस्यों ने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश ने कहा कि पदोन्नति केवल पद और जिम्मेदारियों में वृद्धि नहीं है, बल्कि यह अधिकारियों के उत्कृष्ट कार्य, अनुभव और सेवा के प्रति समर्पण का सम्मान भी है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन, निष्पक्षता और जनसेवा की भावना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा पदोन्नत अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इन मूल्यों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जोहड़ में गिरने से दंपती की मौत, गांव में पसरा मातम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। लूणकरणसर तहसील के महाजन थाना क्षेत्र के बडेरन गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में दंपती की जोहड़ में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार बडेरन गांव में रह रहा दंपती मूल रूप से अनूपगढ़ क्षेत्र के 89 जीबी का निवासी था। किसी कारणवश दोनों खेत के पास स्थित जोहड़ में गिर गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और महाजन पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से दोनों के शव जोहड़ से बाहर निकलवाए। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। महाजन पुलिस के अनुसार महिला के पीहर पक्ष के परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर नगर निगम की अनूठी पहल शिवार्पणम्, मंदिरों के निर्माल्य से बनेगी प्रसाद रूपी जैविक खाद

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सावन के पावन माह में श्रद्धा और पर्यावरण संरक्षण को एक सूत्र में पिरोते हुए नगर निगम जयपुर ने एक अभिनव पहल शिवार्पणम् की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से शहर के प्रमुख शिवालयों में भगवान शिव को अर्पित होने वाले बेलपत्र, पुष्प एवं अन्य जैविक निर्माल्य को अब कचरे में नहीं फेंका जाएगा, बल्कि वैज्ञानिक विधि से जैविक खाद में परिवर्तित कर श्रद्धालुओं एवं आमजन को शिवार्पणम् प्रसाद पैकेट के रूप में वितरित किया जाएगा। नगर निगम का उद्देश्य धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है। सावन के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शिवालयों में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करते हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में बेलपत्र, पुष्प और अन्य जैविक निर्माल्य अर्पित किया जाता है। अब इन पवित्र अवशेषों को वैज्ञानिक प्रक्रिया से लगभग 30 दिनों में जैविक खाद में परिवर्तित किया जाएगा। प्रत्येक सोमवार चयनित मंदिरों से नगर निगम का EV हॉपर निर्माल्य संग्रह करेगा।

सामग्री को निकटतम उद्यान में स्थापित श्रेडर मशीन से प्रोसेस किया जाएगा। कम्पोस्ट पिट में वैज्ञानिक विधि से जैविक खाद तैयार होगी। तैयार खाद को शिवार्पणम् पैकेट में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों तक पहुंचाया जाएगा। पायलट परियोजना के अंतर्गत ताड़केश्वर महादेव, झारखंड महादेव, जंगलेश्वर महादेव, चमकारेश्वर महादेव एवं रोजगारेश्वर महादेव मंदिरों से इस अभियान की शुरुआत होगी। अभियान पूरे श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार संचालित किया जाएगा।

रीड़ी में 52वीं जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज, 400 से अधिक खिलाड़ी मैदान में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जिला कबड्डी संघ, बीकानेर के तत्वावधान में आयोजित 52वीं जिला स्तरीय बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का रविवार को रीड़ी खेल मैदान में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन सरपंच प्रतिनिधि हेतराम जाखड़ ने किया।

जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष महेंद्र कुमार व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता में जिलेभर से 400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बालक वर्ग की 16 तथा बालिका वर्ग की 10 टीमें खिताब के लिए मुकाबला कर रही हैं।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर बीकानेर जिले की टीम का गठन किया जाएगा, जो 52वीं राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

समारोह में जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं शारीरिक शिक्षक नाजरा जी परवीन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर गांव के अनेक गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले 27 जुलाई को खेले जाएंगे। इसके बाद विजेता टीमों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

रोडवेज ड्राइवर-कंडक्टर के लिए 3000 KM बस चलाना अनिवार्य

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने राजस्थान रोडवेज के उस परिपत्र को पूरी तरह वैध और तर्कसंगत ठहराया है, जिसके तहत चालक-परिचालकों के लिए प्रति माह न्यूनतम 3000 किलोमीटर वाहन चलाना अनिवार्य किया गया था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिस पद पर नियुक्ति हुई है, उससे संबंधित मूल कार्य से कोई भी कर्मचारी छूट का दावा नहीं कर सकता। न्यायाधीश रेखा बोराना की एकलपीठ ने राजस्थान रोडवेज कर्मचारी फेडरेशन की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने अपने निर्णय में टिप्पणी की है कि हाल ही के दिनों में चालकों और परिचालकों द्वारा मूल काम यानी बस संचालन से बचकर किसी तरह ऑफिस या ग्राउंड ड्यूटी में लगने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यदि अधिकांश चालकों को कार्यालयीन कार्यों में लगा दिया जाएगा, तो इससे बस संचालन करने वाले शेष चालकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जिससे वे थक जाएंगे और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाएगी। हाईकोर्ट ने कहा कि कोई कर्मचारी यूनियन सदस्य हो या कोई अन्य कर्मचारी, किसी भी स्थिति में उसे मूल कार्य करने से छूट नहीं दी जा सकती। याचिका में आरोप लगाया गया था कि सर्कुलर का हवाला देकर बुकिंग काउंटरों पर कार्यरत लगभग 150 कर्मचारियों का वेतन रोक लिया गया है। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने रोडवेज प्रशासन को सभी बकाया वेतन को 4 सप्ताह के भीतर जारी करने के आदेश दिए। सर्कुलर का पालन न करने के आधार पर पुराना वेतन यानी जुलाई 2026 तक का वेतन नहीं रोका जा सकता। हालांकि यदि 1 अगस्त 2026 से कोई चालक या परिचालक सर्कुलर के तहत न्यूनतम दूरी तक बस चलाने की ड्यूटी पूरी नहीं करता है, तो उस स्थिति में रोडवेज प्रशासन उसका वेतन रोकने के लिए स्वतंत्र होगा। जो चालक-परिचालक बसों का नियमित संचालन करेंगे, उन्हें रोडवेज प्रशासन द्वारा कोई अतिरिक्त ऑफिस या ग्राउंड ड्यूटी नहीं सौंपी जाएगी। केवल चिकित्सीय रूप से अयोग्य यानी मेडिकली अनफिट पाए गए कर्मचारियों को ही सक्षम अधिकारी के लिखित आदेश से छूट मिलेगी। ऐसे कर्मचारियों की ही ऑफिस ड्यूटी लगाई जा सकेगी। इसलिए प्रशासन को कार्य आवंटन में संतुलन और सेवा हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

राजस्थान/ प्रादेशिक

पूर्व थानाधिकारी के खिलाफ 24 घंटे में एफआईआर दर्ज करने के आदेश, महिला से अभद्रता व दुराचार के आरोप

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। सूरतगढ़ के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) मनमोहन चंदेल ने एक महिला से कथित दुराचार, अभद्र व्यवहार और सार्वजनिक अपमान के मामले में सिटी थाने के तत्कालीन थानाधिकारी दिनेश सारण के खिलाफ 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने मामले की जांच सूरतगढ़ वृत्त से बाहर किसी अन्य आरपीएस अधिकारी से कराने तथा पीड़िता के कथित बयानों पर किए गए हस्ताक्षरों की एफएसएल जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। इसके माध्यम से प्रतिदिन हजारों यात्राएं पूरी हो रही हैं। परिवाद के अनुसार एक समाज की महिला संगठन की जिलाध्यक्ष ने अधिवक्ता विष्णु शर्मा के माध्यम से अदालत में शिकायत प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि 27 अक्टूबर 2025 को श्रीगंगानगर स्थापना दिवस के अवसर पर श्री हनुमानजी खेजड़ी मंदिर परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन थानाधिकारी ने उन्हें कार्यक्रम स्थल में प्रवेश से रोकते हुए धक्का-मुक्की की, अभद्र भाषा का प्रयोग किया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। परिवाद में यह भी कहा गया कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की और मामले को दबाने का प्रयास किया। अदालत ने पुलिस की जांच रिपोर्ट को प्रथम दृष्टया असंतोषजनक माना। जांच में महिला के बिना वीआईपी पास कार्यक्रम में प्रवेश करने का आधार बताया गया था, जबकि सूचना के अधिकार के तहत पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी में स्पष्ट हुआ कि कार्यक्रम के लिए कोई वीआईपी पास जारी ही नहीं किए गए थे। अदालत ने इसे गंभीर विरोधाभास मानते हुए जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। महिला कांस्टेबलों के बयान, आरोपी के स्पष्टीकरण और जांच रिपोर्ट में भी कई विसंगतियां सामने आने की बात कही गई। पीड़िता ने यह आरोप भी लगाया कि जांच के दौरान उसके नाम से दर्ज बयानों पर किए गए हस्ताक्षर उसके नहीं हैं। इस पर अदालत ने हस्ताक्षरों की एफएसएल जांच कराने के निर्देश दिए। आदेश में कहा गया कि उपलब्ध रिकॉर्ड से महिला संबंधी संज्ञेय अपराध के प्रथम दृष्टया आवश्यक तत्व सामने आते हैं और ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कानूनी दायित्व है। साथ ही, पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के बावजूद उनका पालन नहीं होना अत्यंत खेदजनक बताया।

इंस्पायर अवॉर्ड-मानक योजना: बीकानेर के सभी स्कूलों से 15 सितंबर तक 5-5 नवाचारी विचारों का नामांकन अनिवार्य

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) डॉ. रामगोपाल शर्मा ने इंस्पायर अवॉर्ड-मानक योजना के तहत सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के ऑनलाइन नामांकन को लेकर जिले के सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह योजना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित की जाती है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और शोध की भावना को प्रोत्साहित करना है। जारी आदेश के अनुसार जिले के प्रत्येक ब्लॉक में एक प्रभारी नियुक्त कर प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी। सभी राजकीय एवं गैर-राजकीय मान्यता प्राप्त उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 15 सितंबर 2026 तक अपने विद्यालय से कम से कम 5 श्रेष्ठ नवाचारी विचारों का ऑनलाइन नामांकन ई-एमआईएएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से करवाएं। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक विद्यालय अधिकतम पांच विद्यार्थियों के मौलिक एवं नवाचारी विचार नामांकित कर सकता है। इनमें कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान वर्ग से अधिकतम दो विद्यार्थियों के विचार ही शामिल किए जा सकेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि जो विद्यालय अभी तक ई-एमआईएएस पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, वे तत्काल अपना पंजीकरण करवाएं। वहीं पूर्व से पंजीकृत विद्यालय अपनी प्रोफाइल, विशेष रूप से यू-डाइस कोड, को अपडेट करें ताकि नामांकन में किसी प्रकार की बाधा न आए। ऑनलाइन नामांकन में तकनीकी समस्या आने पर दीपक जोशी मोबाइल नंबर 7014046464 से संपर्क किया जा सकता है। साथ ही चयनित विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय प्रदर्शनी में अपने नवाचारी मॉडल का प्रदर्शन करना भी अनिवार्य होगा।

बीकानेर में अध्यापक लेवल-1 और लेवल-2 की अस्थायी वरिष्ठता सूची जारी, 10 अगस्त तक दर्ज कर सकेंगे आपत्तियां

बीकानेर। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर ने राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के प्रावधानों के तहत सीधी भर्ती से नियुक्त अध्यापक लेवल-1 एवं लेवल-2 की अस्थायी वरिष्ठता सूची (प्रोविजनल सीनियरिटी लिस्ट) जारी कर दी है। जारी नोटिस के अनुसार, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2026 के बीच नियुक्त शिक्षकों की जिले में वर्तमान कार्यरत स्थिति के आधार पर यह अस्थायी वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यदि किसी कार्मिक को वरिष्ठता सूची में दर्ज विवरण पर कोई आपत्ति है, तो वह 28 जुलाई 2026 से 10 अगस्त 2026 तक कार्यालय समय में जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। आपत्तियां पीईईओ/यूसीईईओ से अनुमोदित प्रार्थना पत्र एवं प्रपत्र-10 सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ स्वयं उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा करनी होंगी। वरिष्ठता सूची के प्रकाशन के बाद प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम वरिष्ठता सूची जारी की जाएगी।

भरतपुर में 29 जुलाई को सीएम करेंगे दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित, शिक्षा निदेशालय ने जारी किए निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर ने 29 जुलाई को भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर संयुक्त निदेशकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म सहायता राशि का डीबीटी हस्तांतरण किया जाएगा। इनमें राजकीय नेत्रहीन विद्यालय, बीकानेर के 2 तथा जोधपुर, उदयपुर और अजमेर के एक-एक विद्यार्थी शामिल हैं। इसी कार्यक्रम में राजकीय नेत्रहीन विद्यालयों के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट भी वितरित किए जाएंगे। निदेशालय ने सभी संबंधित अधिकारियों से चयनित लाभार्थी विद्यार्थियों का विवरण और संक्षिप्त नोट निर्धारित प्रारूप में आज दोपहर 2 बजे तक कार्यालय की ई-मेल caosecedu@gmail.com पर भेजने के निर्देश भी दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी अधिकारियों को निर्देशों की पूर्ण सजगता और समयबद्ध तरीके से पालना सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

28 से 30 जुलाई तक होगी ऑनलाइन काउंसलिंग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 के तहत चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने जिला शिक्षा अधिकारियों को काउंसलिंग कार्यक्रम जारी करते हुए 28 से 30 जुलाई तक ऑनलाइन काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए हैं। निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से गैर-अनुसूचित क्षेत्र के 16,411 तथा अनुसूचित क्षेत्र के 2,984 चयनित अभ्यर्थियों का विभागवार आवंटन किया गया है। अब जिला स्तर पर विद्यालय आवंटन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निर्देशों के अनुसार 27 जुलाई को एनआईसी और शाला दर्पण के समन्वय से जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा द्वारा एसएसपी-एमएस पोर्टल पर अभ्यर्थियों का डाटा अपलोड किया जाएगा तथा रिक्त पदों की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथीन्द्र बोस ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री निवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध 'गीतांजलि' पुस्तक भी भेंट की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस का स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के बीच संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान सुशासन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से विकास के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं तथा नागरिकों को अधिक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने सुशासन, लोकतांत्रिक परंपराओं और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने राजस्थान में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथीन्द्र बोस ने राजस्थान के विकास कार्यों और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। भेंट के अंत में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और देश के समग्र विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती तथा जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मारवाड़ में विकास कार्यों का किया शिलान्यास एवं उद्घाटन— सोजत में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर पट्टे वितरित किये

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन दौरे पर रहीं। जहां उन्होंने स्टेट हाईवे 61 स्काई ओवर ब्रिज का व करोड़ो रुपये के विकास कार्यो का शिलान्यास व लोकार्पण किया। साथ ही मारवाड़ जंक्शन उपखंड मुख्यालय स्थित झाझरियां हनुमान मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। सिरियारी और सवराड़ गांव की नदियों पर बने पुलों तथा रानी-भिवाड़िया सड़क मार्ग के नवीनीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुये कहा कि सरकार में समयबद्ध रूप से योजना बनाकर कम समय में तेज व आधुनिक तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को धरातल पर उतारकर जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सड़क, पुल और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जा रहे हैं तथा सरकार विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने वहां शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर लाभार्थियो को पट्टा वितरण किया। इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर सोजत विधायक शोभा चौहान, मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी सहित सभी संबंधित विभागों के जिला व ब्लॉक लेवल अधिकारी जनप्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

सरदारशहर में बाइक चोर गिरोह सक्रिय तीन दिन में दूसरी वारदात

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। सरदारशहर में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। छींपा मार्ग से वार्ड पार्षद भीमसेन सैनी की मोटरसाइकिल चोरी होने की घटना के तीन दिन बाद अब सरकारी अस्पताल की पार्किंग से एक और बाइक चोरी हो गई। लगातार दूसरी वारदात से लोगों में चिंता बढ़ गई है और शहर में सक्रिय बाइक चोर गिरोह की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार जामा मस्जिद धोरे वाली, वार्ड नंबर 22 निवासी मो. फरदीन तुगलक, जो राजकीय अस्पताल में कंपाउंडर के रूप में कार्यरत हैं, सोमवार सुबह करीब 8:20 बजे अपनी बजाज पल्सर लेकर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मोटरसाइकिल अस्पताल परिसर के बाहर पार्किंग में खड़ी की और ड्यूटी पर चले गए। उल्लेखनीय है कि 25 जुलाई को भी छींपा मार्ग से वार्ड पार्षद भीमसेन सैनी की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी, जिसका संदिग्ध भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था।

खांडल विप्र परिषद को मिली नई कार्यकारिणी, सर्वसम्मति से छगनलाल सेवदा बने अध्यक्ष

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। खांडल विप्र परिषद की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए श्याम मंदिर भवन में सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुए। समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस चुनाव प्रक्रिया में पूरे लोकतांत्रिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से छगनलाल सेवदा को खांडल विप्र परिषद का अध्यक्ष, रामनिवास नोहाल को मंत्री, रमेशकुमार माटोलिया को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्य मोहनलाल सेवदा ने की। चुनाव अधिकारी मनोज जोशी एवं राजकरण डिडवानिया ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया का संचालन करते हुए सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न कराए। उन्होंने समाज की एकजुटता और आपसी भाईचारे की भावना की सराहना करते हुए कहा कि सर्वसम्मति से चुनाव होना समाज की परिपक्वता और संगठन की मजबूती का प्रतीक है। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों युवा एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों से समाज में शिक्षा, संस्कार, सामाजिक एकता, युवा सशक्तिकरण तथा समाज हित के कार्यों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा व्यक्त की। चुनाव के सफल आयोजन के बाद समाज बंधुओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और नई कार्यकारिणी के उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, भाईचारा और सामाजिक एकता का वातावरण देखने को मिला।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष गोरीशंकर डिडवानिया, महेश बढाढरा, कमलाप्रसाद जोशी, श्यामसुंदर सेवदा, पं तिलोकचंद नोहाल, रामकुमार शर्मा, मुरलीधर बोचीवाल, लालबहादुर सेवदा, राधेश्याम बढाढरा, सावरमल माटोलिया, रवि बोचीवाल, श्रवण माटोलिया, सांवरमल जोशी, श्याम डिडवानिया, राजकुमार डिडवानिया, हनुमान बोचीवाल, जगदीश कामरेड, बनवारीलाल काछवाल, संदीप जोशी,वेदप्रकाश चोटिया सहित सैकड़ों समाजबंधु उपस्थित थे।

31 जुलाई तक शाला दर्पण पर बोर्ड परीक्षा परिणाम अपलोड करना अनिवार्य, लापरवाही पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर ने सत्र 2025-26 के कक्षा 10 एवं 12 के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा परिणाम की शाला दर्पण पोर्टल पर प्रविष्टि को लेकर सभी अधिकारियों को पुनः सख्त निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त निदेशक शैलेन्द्र देवड़ा ने कहा है कि अब तक कई विद्यालयों द्वारा परीक्षा परिणाम की प्रविष्टि एवं लॉक करने का कार्य पूरा नहीं किया गया है।

निदेशालय की ओर से बताया गया कि इस संबंध में पहले भी 8 जून और 2 जुलाई 2026 को निर्देश जारी किए गए थे। इनमें सभी राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों और विषयाध्यापकों के विषयवार तथा विद्यालयवार बोर्ड परीक्षा परिणाम शाला दर्पण पोर्टल के 'रिजल्ट' टैब पर 15 जुलाई तक अनिवार्य रूप से दर्ज कर लॉक कराने के निर्देश दिए गए थे।

इसके बावजूद यह कार्य अभी तक शत-प्रतिशत पूरा नहीं हुआ है। नए आदेश के अनुसार सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ विद्यालयों से 31 जुलाई 2026 तक कक्षा 10 एवं 12 के परीक्षा परिणाम की शत-प्रतिशत प्रविष्टि करवाकर उसे लॉक कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए संस्था प्रधानों को भी अपने स्तर पर पाबंद करने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशालय ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित तिथि तक परीक्षा परिणाम शाला दर्पण पोर्टल पर अपलोड एवं लॉक नहीं किया गया तो संबंधित संस्था प्रधान अथवा जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त निदेशक शैलेन्द्र देवड़ा ने कहा कि शाला दर्पण पोर्टल पर बोर्ड परीक्षा परिणाम की समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत प्रविष्टि विभागीय अभिलेखों, शैक्षणिक विश्लेषण तथा भविष्य की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक प्रक्रियाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

निदेशालय ने अधिकारियों से कहा है कि वे प्रतिदिन विद्यालयवार प्रगति की निगरानी करें और जिन विद्यालयों में परिणाम प्रविष्टि का कार्य लंबित है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

यदि किसी विद्यालय को तकनीकी या अन्य किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो उसका त्वरित समाधान कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाए। ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा।

बीकानेर, उदयपुर एवं जयपुर के अधिकारियों को वीसी में दिए निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप विभागीय लक्ष्य की प्राप्ति के सजग व संवेदनषील होकर कार्य करने की आवश्यकता है। जुलाई माह के राजस्व, बकाया वसूली, निरोधात्मक कार्रवाई, लिफ्टिंग सहित समस्त लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त किए जाने है इस संबंध में किसी भी प्रकार का शॉर्टफॉल स्वीकार्य नही होगा। आबकारी आयुक्त विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उदयपुर, जयपुर एवं बीकानेर जोन के अधीनस्थ समस्त जिलों के अधिकारियों की विभागीय समीक्षा बैठक को वीसी के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि विभागीय लक्ष्य पूर्ति के प्रति उदासीन रहने पर संबंधित अधिकारी व कार्मिक की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वीसी में सर्वप्रथम उदयपुर जोन की समीक्षा करते हुए उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, राजसमंद एवं प्रतापगढ़ जिले को राजस्व के शॉर्टफॉल को आगामी 4 दिवस में कार्ययोजना तैयार कर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। इस प्रकार बकाया वसूली से राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता मिलेगी।

मनोरंजन समाचार

डोनाल्ड ट्रंप और रॉबर्ट पैटिनसन के ब्रेकअप पर जब जेनिफर लॉरेंस ने तोड़ी थी चुप्पी

हॉलीवुड अदाकारा जेनिफर लॉरेंस का एक पुराना वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेनिफर और रॉबर्ट के ब्रेकअप पर तीखी टिप्पणी की थी। इसे लेकर हॉलीवुड अदाकारा की प्रतिक्रिया दी थी जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो लोकप्रिय चैट शो 'द ग्राहम नॉर्टन शो' का है, जिसमें उन्होंने अभिनेता रॉबर्ट पैटिनसन और अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट के ब्रेकअप के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया का जिक्र किया था। बता दें, रॉबर्ट पैटिनसन और क्रिस्टन स्टीवर्ट ने फिल्म 'ट्वाइलाइट' सीरीज में साथ काम किया था और दोनों करीब पांच वर्षों तक रिश्ते में रहे। हालांकि, 2013 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उस समय उनका ब्रेकअप हॉलीवुड की सबसे चर्चित बातों में से एक था। वीडियो में शो के होस्ट ने जेनिफर से पूछा कि उनके और रॉबर्ट पैटिनसन के बीच एक समानता है। शो होस्ट ने कहा, "आप दोनों ने बहुत कम उम्र में बड़ी फिल्म फ्रेंचाइजी से जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। रॉबर्ट ने 'ट्वाइलाइट' से और आपने 'हंगर गेम्स' से। क्या इस अनुभव ने आप दोनों के बीच कोई खास जुड़ाव बनाया, या फिर वह सिर्फ अतीत की बात बनकर रह गया?" इस सवाल का जवाब देते हुए जेनिफर ने रॉबर्ट के ब्रेकअप का जिक्र किया। जेनिफर ने कहा, "युवा लोग गलतियां करते हैं।

शूटिंग के दौरान क्या खाती हैं निहारिका चौकसे? अभिनेत्री ने शेयर किया अपना फूड सीक्रेट

टेलीविजन इंडस्ट्री की अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों सीरियल 'तुम से तुम तक' में अपने काम को लेकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखती हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे खाने की बहुत शौकीन हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अक्सर व्यस्त शेड्यूल की वजह से उनका खाना देर से बनता है या तो खराब हो जाता है। उन्होंने जोर देते हुए बताया कि टेलीविजन इंडस्ट्री में कड़ी मेहनत की जाती है और मॉनसून में यह चुनौती और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, "मैं खाने की बहुत शौकीन हूं। आमतौर पर मैं अपने साथ सूखे क्रैनबेरी और कुछ भुजिया रखती हूं और मुझे हमेशा कुछ न कुछ खाने की ज़रूरत होती है। हाल ही में, मैं प्याज, खीरा, टमाटर और नींबू के रस के साथ चना जोर गरम भी खा रही हूं। हम सभी सेट पर शॉट्स के बीच समय बिताते हुए एक साथ इसका मजा लेते हैं।" टेलीविजन इंडस्ट्री में व्यस्त और लंबे शूटिंग शेड्यूल के बीच खानपान को मैनेज करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। जब अभिनेत्री से पूछा गया कि लंबे शूटिंग घंटों के दौरान वह अपनी डाइट कैसे मेंटेन करती हैं, तो उन्होंने कहा, "सच कहूं तो मैं अक्सर अपना ब्रेकफास्ट छोड़ देती हूं क्योंकि शूटिंग शेड्यूल की वजह से मेरा डिनर अक्सर बहुत देर से होता है। लोग कहते हैं कि आपको डिनर शाम 7:00 बजे तक खत्म कर लेना चाहिए, लेकिन हमारा पैक-अप तो बहुत देर से होता है। तो जाहिर है, मैं देर से खाती हूं। मैं अभी भी हेक्टिक रूटीन के बावजूद बैलेंस्ड डाइट बनाए रखने की पूरी कोशिश करती हूं।" अभिनेत्री इन दिनों सीरियल 'तुम से तुम तक' में अनु शर्मा के किरदार में नजर आ रही हैं। शो को दर्शकों की तरफ से काफी प्यार मिल रहा है। यह शो मिडिल-क्लास जिंदगी की बारीकियों को दिखाता है, जिसमें परिवार के रिश्ते और सपने से लेकर परंपरा और आधुनिकता के बीच बैलेंस बनाना शामिल है, जो इसे दर्शकों के बीच सच में पसंदीदा बनाता है। निहारिका चौकसे ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि व्यस्त शूटिंग के बीच स्वास्थ्य का ध्यान रखना कलाकारों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता।

अमजद खान ने 'शोले' में गब्बर की भूमिका में डाली जान, जीवंत अभिनय से बनाई अलग पहचान

हिंदी सिनेमा के अभिनेता रहे अमजद खान ने फिल्म 'शोले' में ऐसा किरदार निभाया कि आज भी उनकी एक्टिंग की कहानियां जिंदा हैं। महज 51 वर्ष की छोटी आयु में 27 जुलाई 1992 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में 12 नवंबर 1940 को जयंत खान के घर जन्मे अमजद खान ने बचपन से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। सिर्फ 11 वर्ष की उम्र में 'नाजनीन' फिल्म में अभिनय किया था। उनको अभिनय की कला विरासत में मिली थी क्योंकि उनके पिता खुद मशहूर अभिनेता थे। 17 वर्ष की उम्र में अमजद फिल्म 'अब दिल्ली दूर नहीं' में पिता के साथ अभिनय करते नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया।

'अपनी गंदगी दिखा रहे', CJP प्रोटेस्ट के वायरल रील्स देख कंगना रनौत हुईं निराश, Gen Z के प्रदर्शन को बताया 'घिनौना'

हिमाचल प्रदेश की मंडी से लोकसभा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर चर्चा में हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन खत्म होने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सीजेपी के प्रोटेस्ट पर निशाना साधा है। अपने पोस्ट में उन्होंने खुलकर जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की है और प्रदर्शन के दौरान बनाई जा रही रील्स और इसमें इस्तेमाल की गई भाषा पर नाराजगी जताते हुए कई सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जिंदगी में उन्होंने एक ही जगह पर इतनी बदसूरती पहले कभी नहीं देखी। कंगना रनौत का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए खत्म हो चुके सीजेपी प्रोटेस्ट पर नाराजगी जाहिर की है। अपने पोस्ट में कंगना ने लिखा- 'मैंने अपनी पूरी जिंदगी में एक ही जगह पर इतनी सारी बदसूरत चीजें नहीं देखीं। Gen Z के विरोध-प्रदर्शनों की जो रील्स वायरल हो रही हैं, उन्हें देखकर

तो उल्टी ही आ जाए। जिस तरह ये बात करते हैं और जिस भाषा में बात करते हैं, वह बहुत घटिया है। मैंन अपनी जिंदीग में कभी भी हर फ्रेम में इतनी भद्दी और घटिया चीजें एक साथ नहीं देखी हैं।' कंगना अपने पोस्ट में सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल हुए स्टूडेंट्स की परवरिश पर सवाल उठाते हुए आगे लिखती हैं- 'छी, आखिर इन लोगों को जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है? भारत तरह-तरह के खूबसूरत लोगों का देश है। ऐसे लोग, जो शालीनता से सजे-धजे हैं और सांस्कृतिक समझ-बूझ से जुड़े हुए हैं। आप खुद को कॉकरोच कहते हैं और उन्हीं की तरह दिखते और बर्ताव भी करते हैं। इसमें कोई विरोधाभास या उलट-फेर नहीं है, आप सभी बस इस दुनिया को अपनी गंदगी, कचरे और बदसूरती का शिकार बना रहे हैं। इन तमाम रील्स ने मुझ पर गहरा असर डाला है, मुझे ठीक होने के लिए अब डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत है।' कंगना रनौत इससे पहले भी सीजेपी प्रोटेस्ट पर निशाना साध चुकी हैं। उन्होंने 20 जुलाई को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था- 'लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को ऐसे झुकाया नहीं जा सकता। विपक्ष सरकार को इस बात के लिए मजबूर नहीं कर सकता कि किसे किस पद पर बनाए रखना है और किसे हटाना है। जनता द्वारा चुनी गई सरकार के पास ये तय करने का पूरा अधिकार है कि शासन व्यवस्था कैसे चलाना है। अगर उन्हें सरकार चलाने का इतना शौक है, तो उन्हें चुनाव लड़कर सत्ता में आना चाहिए।'

कंगना रनौत की इस इंस्टाग्राम स्टोरी के बाद सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। जहां उनके समर्थकों ने उनके बयान का समर्थन करते हुए प्रदर्शन के तौर-तरीकों और भाषा पर सवाल उठाए, वहीं कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और विपक्षी समर्थकों ने उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे प्रदर्शनकारियों के प्रति अपमानजनक बताया। पोस्ट के स्क्रीनशॉट विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से साझा किए जा रहे हैं।

कुमार सानू ने अंडरवर्ल्ड डॉन की दुबई पार्टी में किया था परफॉर्म, पल-पल सता रहा था जान का डर

कुमार सानू 90 के दशक के सुपरहिट सिंगर रहे हैं, जिनके कई गाने आज भी संगीत प्रेमियों की प्लेलिस्ट में जरूर होते हैं। कुमार सानू ने अपने करियर की शुरुआत 1989 में की थी और अब तक 20 हजार से ज्यादा गाने गा चुके हैं और वो भी 22 से ज्यादा भाषाओं में। यही नहीं, कुमार सानू का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। 1993 के दौरान उन्होंने एक ही दिन में 28 गाने रिकॉर्ड करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस बीच कुमार सानू एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर के उस अनुभव के बारे में बात की, जिसने उन्हें सबसे ज्यादा परेशान कर दिया था। कुमार सानू ने बताया कि एक बार उन्हें दुबई में एक अंडरवर्ल्ड डॉन की पराइवेट पार्टी में परफॉर्म करना पड़ा और वो भी उस समय में जब पूरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अंडरवर्ल्ड का दबदबा था। ऐसे में उन्हें लगातार अपनी जान को लेकर डर सता रहा था। सुभोजित घोष के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने अपनी उस परफॉर्मेंस को याद किया, जो उन्होंने दुबई में एक अंडरवर्लड डॉन की निजी पार्टी में दी थी। सिंगर बताते हैं कि इस दौरान इंडस्ट्री में काफी कुछ घटित हो चुका था। ये वो समय था जब टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार की भी दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। ऐसे में अंडरवर्ल्ड डॉन की पार्टी में परफॉर्म करते हुए उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता हो रही थी। सानू ने याद किया कि उस समय वह अंडरवर्ल्ड डॉन की रिक्वेस्ट को ठुकराने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। कुमार सानू से जब सभोजित ने पूछा कि क्या आपको कभी किसी माफिया ने परेशान किया था, 90 के दशक में ये बहुत पीक पर था। इस पर रिएक्ट करते हुए कुमार सानू ने कहा- 'देखो, हीरोज की बात तो मालूम नहीं, लेकिन सिंगर्स से मैंने ये चीज कम सुनी है, लेकिन एक बार मेरे साथ हुआ था ये। लेकिन, जैसे ही मैंने समझाया ना, वो तुरंत समझ गया। मैंने कहा- हम सिंगर लोग हैं भाई। नाम लेने की जरूरत नहीं है, लेकिन जब मैंने उनसे पूछा कि आप गाना सुनते हो? कैसा लगता है आपको गाना? तो बोले- मालूम है मुझे। मैं बहुत फैन हूं तेरा, लेकिन तुझे ये तो करना पड़ेगा। मैंने कहा- नहीं कर पाऊंगा सर। आप देख लो क्या करना चाहते हो। तो बोले- अरे यार, तू तो इमोशनल कर दिया। फिर बाद में उन लोगों ने हमसे काम कराया। हमसे शो कराया था। मैं नदीम श्रवण के साथ दुबई गया था, शो कर दिया था।' कुमार सानू आगे कहते हैं- 'देखो अब उस बारे में बात करने का मतलब नहीं है, अब वो सब खत्म हो गया है। अब चीजें भी कंट्रोल हो गई हैं, लेकिन उस टाइम पे जान का डर तो लगा था। क्योंकि, उस समय काफी कुछ चल रहा था। ऐसा एक सिस्टम था ना। उसी समय गुलशन कुमार जी को भी... बहुत सारी चीजें, इंसिडेंट हमारे सामने घट गया था। इसलिए थोड़ा डर भी लग रहा था, कि कहीं ऐसा ना हो कि... लेकिन हम कोशिश करते थे समझाने की। सोचते थे कि कैसे समझाया जाए। कभी वो कहते थे कि भाई यहां गा दो, तो हमने जा के गा दिया। ऐसा करना पड़ा, लेकिन इसके बाद वो हमारे फैन बन जाते थे और कहते कि कोई कुछ कहे, तो हमें बताना, हम देख लेंगे। हम बोले- भाई माफ करो।' कुमार सानू कुछ महीने पहले अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहे। कुनिका सदानंद ने कुछ महीने पहले खुलासा किया था कि एक समय पर वह कुमार सानू के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। इस दावे के बाद आए दिन कुमार सानू की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में छाई रहती है। वहीं पिछले साल, यानी 2025 में कुमार सानू की पूर्व पत्नी रीटा भट्टाचार्य ने उन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। रीटा ने कुमार सानू के साथ ही अपने ससुरालवालों पर भी कई सनसनीखेज आरोप लगाए थे। कुमार सानू ने बातचीत के दौरान कहा कि 1990 के दशक में फिल्म और संगीत जगत का माहौल आज की तुलना में काफी अलग था। उस दौर में अंडरवर्ल्ड के प्रभाव को लेकर कई तरह की चर्चाएं होती थीं और कलाकारों पर भी मानसिक दबाव बना रहता था। उन्होंने बताया कि ऐसे माहौल में किसी भी कार्यक्रम या निमंत्रण को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती थी, क्योंकि सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। उन्होंने कहा कि उस समय परिस्थितियों को देखते हुए कई बार कलाकारों को बेहद सोच-समझकर फैसले लेने पड़ते थे। उनका मानना है कि बातचीत और समझदारी से कई मुश्किल हालात का समाधान निकल सकता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने भी उस दौरान संयम और शांत तरीके से अपनी बात रखी, जिसके बाद सामने वाले लोगों ने उनकी स्थिति को समझा और मामला बिना किसी विवाद के आगे बढ़ गया। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उस दौर के कुछ अनुभव आज भी उनकी स्मृतियों में दर्ज हैं।

'लाफ्टर शेफ्स' सीजन 3 के खत्म होने पर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे, बोलीं- 'ये शो खुशियों का जरिया था'

टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने लोकप्रिय सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से घर-घर में पहचान बनाई। हाल ही में वह रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रही थी। शो के ग्रैंड फिनाले के बाद अंकिता ने इस पूरे सफर को याद करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक शो नहीं था बल्कि लाखों परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने का जरिया बना। उन्होंने शो से जुड़े सभी लोगों और दर्शकों का धन्यवाद भी किया। अंकिता लोखंडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ग्रैंड फिनाले के दिन की कुछ झलकियां साझा कीं।

वीडियो में अभिनेत्री मेकअप रूम में दिखाई देती हैं। इस दौरान उन्होंने खूबसूरत ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई थी।

वीडियो के एक हिस्से में अंकिता डांस करती हुई भी दिखाई दीं। वहीं उनके पति विक्की जैन पीछे बैठे हुए खाना खाते और अंकिता के इस खास पल को एंजॉय करते नजर आए। अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा, 'अच्छा, तो मैं चलती हूं ग्रैंड फिनाले डे! एक ऐसा शो जिसने हम सभी के अंदर की बेहतरीन चीजों को बाहर निकाला।'

अंकिता ने लिखा, "यह शो मेरे लिए सिर्फ एक शो नहीं था बल्कि इससे कहीं ज्यादा खास सफर रहा। यह सोचकर ही खुशी होती है कि हम हर हफ्ते कई परिवारों के लिए हंसी और खुशी की वजह बन पाए।"

बहन ने खींची तस्वीरें और खुल गया बॉलीवुड का रास्ता, जानें कृति सेनन से जुड़ा दिलचस्प किस्सा

आज बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शामिल कृति सेनन को किसी पहचान की जरूरत नहीं है। खूबसूरती, अभिनय और अलग-अलग तरह के किरदारों के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन उनके इस सफर की शुरुआत किसी बड़े स्टूडियो से नहीं, बल्कि घर के एक छोटे से फोटोशूट से हुई थी। उनकी बहन नूपुर सेनन ने जब कैमरे से कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यही तस्वीरें आगे चलकर उनके सपनों की पहली सीढ़ी बन जाएंगी। कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं जबकि उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली से स्कूली शिक्षा हासिल की और इसके बाद नोएडा एक इंस्टीट्यूट से बीटेक किया। कॉलेज के दिनों तक कृति ने कभी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। वह पढ़ाई में काफी अच्छी थीं। पढ़ाई के दौरान उनकी लंबी हाइट और आत्मविश्वास देखकर दोस्तों ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। शुरुआत में कृति को यह बात अजीब लगी क्योंकि उन्होंने कभी कैमरे के सामने आने के बारे में नहीं सोचा था। फिर भी उन्होंने एक बार किस्मत आजमाने की सोची। इसमें उनका साथ उनकी बहन नूपुर ने दिया। कृति के पास कोई प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उन्होंने अपनी बहन से कुछ तस्वीरें खींचने के लिए कहा। नूपुर ने घर पर ही कृति की तस्वीरें क्लिक कीं, जिसे कृति ने एक ऑनलाइन मॉडलिंग कॉन्टेस्ट के लिए भेज दिया। किस्मत ने साथ दिया और वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। इसके बाद उन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ पोर्टफोलियो शूट करने का मौका मिला। यही मौका उनके मॉडलिंग करियर की शुरुआत बना। मॉडलिंग के बाद कृति ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। साल 2014 में उन्होंने तेलुगु फिल्म '1: नेनोक्काडाइन' से अभिनय की शुरुआत की। इस फिल्म में वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आईं। इसके बाद उसी साल उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद कृति ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया।

सार समाचार

कैस्पियन सागर में जहाज पर हमला कानून के खिलाफ, हमें यूक्रेन को जवाब देने का अधिकार

तेहरान। कैस्पियन सागर में ईरानी कमर्शियल शिप पर यूक्रेन ने हमला किया था। इस अटैक में एक नाविक की मौत हो गई थी। ईरान ने तुरंत इस घटना पर आपत्ति दर्ज कराई थी। सोमवार को एक बार फिर ईरानी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और इसका जवाब देने का अधिकार ईरान को पूरा है। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला गैरकानूनी है और इसका जवाब जरूर दिया जाएगा। यूक्रेन पर संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा, "अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा करने में तेहरान जरा भी संकोच नहीं करेगा।" ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के अध्यक्ष इब्राहिम अजीजी ने भी सोमवार तड़के नतीजों की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि ईरान पर किसी भी हमले की हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है और देश के खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई को बिना जवाब के नहीं छोड़ा जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अजीजी ने लिखा, "ईरान पर किसी भी हमले की हमेशा एक कीमत होती है और आज भी यही स्थिति है। अमेरिका और इजरायल इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं। यूक्रेन को भी जल्द यह समझ आ सकता है कि ईरान किसी भी कार्रवाई को बिना जवाब के नहीं छोड़ता।" उन्होंने आगे कहा, "गलत आकलन करने वालों की सूची लगातार लंबी होती जा रही है।" इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी एक्स पर लिखा था, "जेलेंस्की ने एक ईरानी वाणिज्यिक जहाज पर हमला किया, जिसमें एक नाविक की मौत हो गई।"

नेपाल को मिली पहले टनल रोड की सौगात, काठमांडू पहुंचना होगा आसान

काठमांडू। नेपाल ने सोमवार को देश की पहली टनल रोड को आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया। इसके साथ ही नेपाल ने सुरंग आधारित सड़क परिवहन के एक नए दौर में प्रवेश किया है। इस टनल रोड से काठमांडू तक का सफर आसान हो जाएगा। पूर्वाधार विकास (बुनियादी ढांचा विकास) मंत्री सुनील लम्साल ने सरकारी अधिकारियों और राजनयिकों की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह के दौरान नागढुंगा-सिसनेरी सुरंग का उद्घाटन किया। यह सुरंग काठमांडू घाटी के पश्चिमी प्रवेश द्वार पर स्थित पृथ्वी राजमार्ग के 2.68 किलोमीटर लंबे हिस्से में बनी है। जापान सरकार से मिले रियायती ऋण की सहायता से तैयार की गई इस सुरंग से यात्रा का समय 20 से 30 मिनट तक कम होने की उम्मीद है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जु ने सार्क को फिर से शुरू करने की अपील की, क्षेत्रीय शांति और सहयोग पर दिया जोर

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने रविवार को दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस/एसएएआरसी) को फिर से शुरू करने की जरुरत पर जोर दिया। उन्होंने सदस्य देशों से इलाके के हित में बातचीत के जरिए मतभेद सुलझाने की अपील की। आजादी के 61 साल पूरे होने के अवसर पर मालदीव में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति मुइज्जु ने दक्षेस को फिर से शुरू करने पर जोर दिया। मुइज्जू ने एसएएआरसी समूह के अंदर मौजूदा रुकावट का जिक्र किया और दोहराया कि मतभेद बातचीत के जरिए सुलझाए जाने चाहिए। बयान के अनुसार, उन्होंने एसएएआरसी सदस्य देशों से इलाके की शांति और सहयोग के हित में बातचीत की टेबल पर लौटने की अपील की। उन्होंने आगे कहा कि ग्रुप के सामने अभी जो रुकावट है, उसे खत्म करने के लिए मीडिएटर के तौर पर काम करने के लिए तैयार है। 43 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठन के 113 डिप्लोमैट्स के सामने अपनी बड़ी बातों में, मालदीव के राष्ट्रपति ने सरकार की विदेश नीति के बारे में भी डिटेल में बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से शांतिपूर्ण बातचीत से झगड़े सुलझाने की अपील की। इस बीच, जुलाई की शुरुआत में, बांग्लादेश ने भी दक्षिण एशिया में सहयोग को गहरा करने के लिए अपना समर्थन जताया और पोटेंशियल और परफॉर्मेंस के बीच के गैप को कम करने की अपील की। बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद ने दक्षेस को फिर से शुरू करने के लिए खास कदम बताए और कहा, "संगठन को मजबूत इम्प्लीमेंटेशन कैपेसिटी, ज्यादा फाइनेंशियल मजबूती, ज्यादा असरदार स्पेशलाइज्ड मैकेनिज्म और फॉलो-अप का प्रैक्टिकल कल्चर चाहिए।"

कनाडा में भारतीय मूल की महिला को सड़क पर मारी गई गोली, हत्या के मामले में दबोचा गया संदिग्ध

कनाडा के टोरंटो शहर में भारतीय मूल की 26 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि यह हमला संभवतः सोच-समझकर किया गया था। हत्या के आरोप में भारतीय मूल के ही एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। टोरंटो पुलिस सर्विस ने शनिवार को एक बयान में बताया कि गोलीबारी की घटना शुक्रवार सुबह हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड (सड़क का नाम) के चौराहे पर हुई। मृतक महिला की पहचान नवनीत कौर के तौर पर हुई, जबकि ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान ब्रैम्पटन के शरणजीत सिंह के तौर पर हुई। पुलिस ने कहा कि सुबह करीब 7:23 बजे गोलीबारी की सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और कौर को गोली लगी हुई हालत में पाया। जान बचाने की कोशिशों के बावजूद, उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांचकर्ताओं के अनुसार, महिला और संदिग्ध के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। इसके बाद उस व्यक्ति ने उसे गोली मार दी और पुलिस के आने से पहले ही आरोपी मौके से भाग गया। बाद में उसका पता लगाकर उसे गिरफ़्तार कर लिया गया।

आरोपी शरणजीत सिंह पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग (कानूनी वचन) का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह घटना सोच-समझकर की गई थी और अब कोई अन्य संदिग्ध नहीं है। होमिसाइड यूनिट (हत्या की जांच करने वाली इकाई) मामले की जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक गवाह ने पुलिस को बताया कि कौर हम्बरवुड बुलेवार्ड पर चल रही थीं, तभी एक व्यक्ति उनके पास आया, थोड़ी देर बात की और फिर एक बार गोली मारकर पैदल ही भाग गया। महिला को गिरते हुए देखकर गवाह ने तुरंत इमरजेंसी सर्विस को फोन किया। यह घटना इस महीने की शुरुआत में अल्बर्टा प्रांत की राजधानी एडमोंटन में भारतीय मूल की एक अन्य महिला की उसके साथी द्वारा हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

फ्रांस: राजधानी पेरिस में सनकी ने तीन महिलाओं पर किया चाकू से वार, दो की हालत गंभीर

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में सोमवार को एक सनकी शख्स ने चाकू से हमला कर तीन महिलाओं को घायल कर दिया। वहां मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने मौके पर ही आरोपी को पकड़ लिया। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने इसकी जानकारी दी। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने इसकी जानकारी दी। उनके अनुसार, यह हमला सुबह करीब 11:30 बजे (स्थानीय समय) राजधानी के उत्तरी हिस्से के पोर्टे डी क्लिशी इलाके में हुआ। उन्होंने कहा, " हमले में 19, 24 और 36 वर्ष की तीन महिलाएं घायल हुईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो महिलाओं की हालत गंभीर थी, हालांकि उनकी जान को खतरा नहीं है।"

गृह मंत्री ने बताया कि एक महिला की पीठ के निचले हिस्से में, जबकि दूसरी के पेट में चाकू लगा। उन्होंने कहा, "हमलावर को ऑफ ड्युटी पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तार कर लिया।" फिलहाल आरोपी की पहचान और हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो सका है। नुनेज ने बताया कि आरोपी पूछताछ के दौरान बहकी-बहकी बातें कर रहा था। मंत्री ने लोगों से उसके मकसद को लेकर जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालने की अपील की। वहीं, फ्रांस के एंटी-टेररिज्म प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने कहा कि वह "पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस की कार्यवाही पर नजर रख रहे हैं।" इस बीच एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जो कथित तौर पर हमलावर का बताया जा रहा है। सफेद रंग के कपड़े पहने इस शख्स के बाल बिखरे हुए हैं और ये दोनों हाथों में चाकू लेकर बदहवास से सड़क पार कर रहा है। दूसरी वीडियो में ये सड़क पर गिरा हुआ देखा जा सकता है। गौरतलब है, कि शनिवार को जर्मनी में हिंसक वारदात हुई थी।

नेपाल के सुनसारी में भड़की सांप्रदायिक हिंसा, एक की मौत; अगले आदेश तक पाबंदियां लागू

काठमांडू। भारत से सटे नेपाल के सुनसारी जिले में सांप्रदायिक झड़प का मामला सामने आ रहा है। जानकारी के मुताबिक यहां दो समुदायों के बीच अलग-अलग कार्यक्रम के दौरान एक ही जगह पर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद ये विवाद हिंसा में तब्दील हो गया। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की टीम हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। वहीं इस मामले में अब तक एक युवक की मौत हुई है, जबकि कुछ अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। हिंसा को देखते हुए इलाके में पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। दरअसल, सुनसारी जिले में हुए सांप्रदायिक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इस झड़प में सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हो गए। वहीं इस झड़प को देखते हुए अधिकारियों ने सोमवार से इलाके के कुछ हिस्सों में अनिश्चितकालीन पाबंदियां लागू कर दी हैं। सुनसारी जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, पाबंदियां सुबह 7 बजे से लागू हो गई हैं। इनमें कोशी प्रांत में स्थित जिले के पांच बाजार क्षेत्र शामिल हैं। ये पाबंदियां अगले आदेश तक लागू रहेंगी। पाबंदियों के तहत, प्रभावित इलाकों में चार से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने, प्रदर्शन करने, सार्वजनिक बैठकें करने और धरने पर बैठने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने बताया कि हिंसा रविवार रात देवगंज ग्रामीण नगर पालिका के कप्तानगंज इलाके में भड़की। यहां दो धार्मिक समुदायों के लोग अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर आपस में भिड़ गए। उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के बीच कहासुनी हिंसा में बदल गई, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को दखल देना पड़ा। हालात को काबू में करने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने गोली चलाई, जिसमें 24 वर्षीय ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि झड़पों में सुरक्षाकर्मियों समेत एक दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हो गए। प्रशासन ने कहा कि पाबंदियों का उल्लंघन करने वालों पर 500 नेपाली रुपये का जुर्माना, एक महीने तक की जेल या दोनों हो सकते हैं। बता दें कि दक्षिण-पूर्वी नेपाल में स्थित सुनसारी की सीमा बिहार से लगती है और यह दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट और कमर्शियल कॉरिडोर है। घटना के बाद जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल और सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों की तैनाती कर दी है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

जेलेंस्की का दावा-बिना अभ्यास लोगों को युद्ध के मैदान में भेजने की तैयारी में हैं पुतिन; बड़ी संख्या में जाएंगी जानें

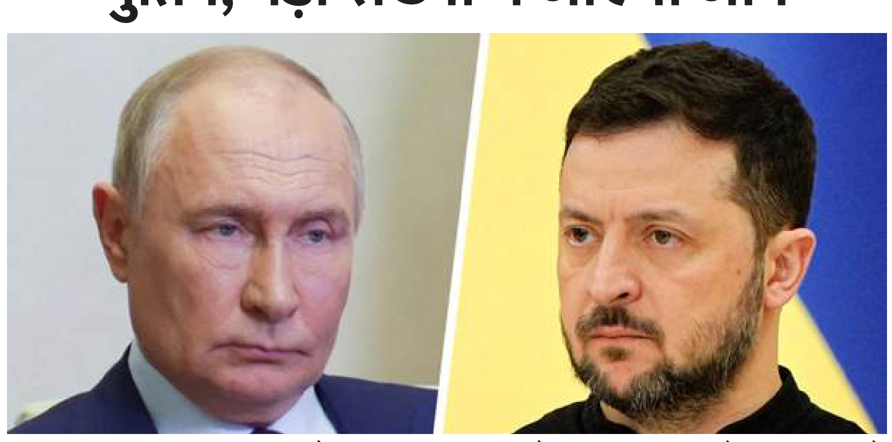

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही एक बड़ी सैन्य भर्ती करने वाले हैं। लोगों के विरोध के बाद भी पुतिन बड़ी संख्या में लोगों को सीधे युद्ध के मैदान में भेजने वाले हैं। अगर वो ऐसा करने में कामयाब होते हैं तो बड़ी संख्या में लोगों की जान जाएगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''पुतिन इस युद्ध को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं। हमारी खुफिया जानकारी के मुताबिक, वह नई सैन्य भर्ती (मोबिलाइजेशन) की तैयारी कर रहे हैं। उनका इरादा है कि 21 सितंबर को होने वाले ड्यूमा चुनावों के बाद यह कदम उठाया जाए। वह सैनिकों की भर्ती बढ़ाना चाहते हैं। वह इसे खुलकर नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें अपने ही लोगों की प्रतिक्रिया का डर है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर हम उनकी सप्लाई, हथियार, पेट्रोल और डीजल की व्यवस्था में रुकावट नहीं डाल पाए और अगर हमारे सहयोगी उनके हमले के खिलाफ पूरी तरह से कड़े प्रतिबंध नहीं लगाते हैं तो वह अक्टूबर की शुरुआत में ऐसा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी समस्या बन सकती है क्योंकि उनका लक्ष्य करीब तीन लाख से पांच लाख लोगों को सेना में भर्ती करना है।

उनके लिए इतनी बड़ी संख्या में लोगों को भर्ती करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। हालांकि, इस फैसले को लेकर उनके देश के अंदर सवाल जरूर उठेंगे। मैंने जो सर्वे देखे हैं, उनके मुताबिक रूस के ज्यादातर लोग नई भर्ती के खिलाफ हैं। काफी लोग इस युद्ध के भी खिलाफ हैं लेकिन फिर भी वे पुतिन का समर्थन करते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि वह इतने सारे लोगों को कम समय में अच्छी तरह ट्रेनिंग नहीं दे पाएंगे।

इसका मतलब है कि पहले की तरह वह कम ट्रेनिंग पाए हुए लोगों को ही सीधे युद्ध के मैदान में भेजेंगे। इसका नतीजा यह होगा कि बड़ी संख्या में लोगों की जान जाएगी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन में हम बहुत तेजी से काम कर सकते हैं। इस युद्ध के शुरुआती वर्षों से ही मैं अमेरिका और यूरोपीय देशों से लाइसेंस देने की अपील करता रहा हूं।

सशस्त्र बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर किया सुनियोजित हमला, दावा- कई वाहन फूंके

क्वेटा। बलूचिस्तान के कई जिलों में सशस्त्र बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार हमले किए, जिनमें कई सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। स्थानीय मीडिया ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, लड़ाकों ने चागई जिले के नोकचाह इलाके में मिनरल ले जा रहे वाहनों के काफिले पर गोलीबारी की। इसके बाद कई वाहनों पर कब्जा कर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। बताया गया कि यह घटनाक्रम बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा घोषित तथाकथित "आर्थिक नाकेबंदी" के बीच हुआ। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घोषणा के बाद बीएलए ने बलूचिस्तान के प्रमुख राजमार्गों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है और अब तक 200 से अधिक वाहनों को आग के हवाले किए जाने की खबर है।

एक अन्य घटना में नोश्की जा रहे पाकिस्तानी सेना के एक बड़े काफिले पर एन-40 राजमार्ग पर किली बट्टो इलाके के पास हमला किया गया। काफिले में बुलेटप्रूफ वाहन शामिल थे और उसके साथ पुलिस बल भी मौजूद था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के कई जवान मारे गए, हालांकि मृतकों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। डिप्टी कमिश्नर की सुरक्षा में लगी एक पुलिस गाड़ी भी हमले की चपेट में आई, लेकिन अधिकारी के सुरक्षित बच निकलने की सूचना है। यह हमला कुछ दिन पहले नोश्की के पास सेना के एक अन्य काफिले पर हुए हमले के बाद हुआ है, जिसमें तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत और तीन अन्य के घायल होने की खबर थी।

काला सागर में जहाजों को लेकर यूक्रेन की चेतावनी, भारत समेत साझेदार देशों से सतर्क रहने की अपील

कीव। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने काला सागर में रूसी पोर्ट्स की ओर जाने और आने वाले विदेशी जहाजों के लिए खतरे को लेकर एक बयान जारी किया है।

यूक्रेनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि 2025–2026 में काला सागर में रूस के हमलों की वजह से नाविकों, समुद्री पायलटों और व्यापारी जहाजों के क्रू मेंबर्स सहित कई आम लोगों की मौत हुई।

इसमें पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और यूक्रेन के समुद्री एक्सपोर्ट कॉरिडोर का इस्तेमाल करने वाले जहाजों पर हमले भी शामिल हैं।

बयान के अनुसार, भारत में यूक्रेन के दूतावास ने कहा है कि उसका दृढ़ विश्वास है कि रूस की आक्रामक कार्रवाइयों के कारण काला सागर और आजोव सागर में नागरिक जहाजों की आवाजाही पर मंडरा रहे खतरों और जोखिमों को क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़ी किसी भी एहतियाती चेतावनी पर तत्काल प्रतिक्रिया देकर कम किया जा सकता है।

दूतावास ने कहा कि युद्ध के दौरान यूक्रेन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों, जिनमें भारत के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं, को रूस की कार्रवाइयों से नागरिक नौवहन पर बढ़ते खतरों के बारे में आगाह करता रहा है।

यूक्रेन ने अपने साझेदार देशों को उन कदमों की भी जानकारी दी है, जो वह सैन्य सामान की आपूर्ति रोकने और यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समर्थन देने वाली लॉजिस्टिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के लिए उठा रहा है।

दूतावास ने कहा कि इन चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मंच पर भी औपचारिक रूप से उठाया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति यून चुनाव कानून उल्लंघन मामले में दोषी करार, उनका दल गंवा सकता है बड़ी रकम

सोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल को चुनाव संबंधी नियमों के उल्लंघन का दोषी करार दिया। इस फैसले के बाद मुख्य विपक्षी पीपुल पावर पार्टी (पीपीपी) पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए चुनावी खर्च के रूप में मिली करीब 39.7 अरब वॉन (करीब 2.73 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की सरकारी प्रतिपूर्ति लौटाने का खतरा मंडरा रहा है। सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने यून सुक-योल को 18 महीने की जेल की सजा सुनाई, हालांकि इसे तीन साल के लिए निलंबित कर दिया गया। अदालत ने माना कि मार्च 2022 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पीपीपी के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने झूठे बयान दिए थे।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, यदि अपील की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह फैसला बरकरार रहता है, तो पीपीपी को चुनाव आयोग द्वारा 2022 के चुनाव में यून की जीत के बाद चुनावी खर्च के लिए दी गई 39.7 अरब वॉन की राशि वापस करनी होगी। दक्षिण कोरिया के चुनाव कानून के तहत, यदि किसी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को कम से कम 15 प्रतिशत वोट मिलते हैं, तो उसकी पार्टी को चुनावी खर्च की प्रतिपूर्ति की जाती है। लेकिन यदि चुनाव कानून के उल्लंघन के मामले में उम्मीदवार को अंतिम रूप से 10 लाख वॉन या उससे अधिक का जुर्माना या जेल की सजा मिलती है, तो पार्टी को यह राशि लौटानी पड़ती है। यून के वकीलों ने अदालत के फैसले में कई त्रुटियों का हवाला देते हुए उच्च अदालत में अपील करने की घोषणा की है।

SPORTS NEWS

Gyaneshwari Yadav clinches silver in 53kg weightlifting at Commonwealth Games 2026

Gyaneshwari Yadav won the silver medal in the 53 kg weightlifting event, bringing home the fifth medal for the Indian contingent at the Commonwealth Games 2026. It is interesting to note that Gyaneshwari remained in complete control throughout the event and started with clean lifts of 82 kg, 85 kg, and 88 kg. She headed into the Clean and Jerk portion of the event in second place behind Nigeria's Onome Didih. As for the Clean and Jerk, she started with a lift of 103 kg. However, Didih followed it up with a lift of 105 kg. For her second attempt, Yadav went on to lift 107 kg, but the Nigerian followed it up with a lift of 110 kg. The Indian star's final attempt saw her lift 111 kg, which secured her the silver medal and confirmed Didih's gold medal at the event. Furthermore, third place was secured by Canada's Rebeka Groulx. Notably, the Indian contingent was quite strong in weightlifting in the Commonwealth Games in 2022 with 10 medals that included three golds and three silvers, and a similar showing is expected from the contingent in Glasgow as well. Before the event, the squad was hit with a major roadblock as India's weightlifting contingent was cut short from 16 to 11 after multiple doping violations. Dilbag Singh was the latest to withdraw, as he was pulled out last week. Speaking of other events, 27th July proved to be a positive day for the Indian contingent. Murali Sreeshankar and Lokesh Sathyanathan made their way into the final of the men's long jump event. The two stars performed brilliant and made their way into the final. Furthermore, Sajan Prakash performed brilliantly in 200m butterfly swimming and also made his way into the final of the event. He finished in second place behind Scotland's Duncan Scott to book his berth in the summit clash. Additionally, Tejas Shirse competed in the men's 110-metre hurdles and made his way into the final. Even after upsetting the seventh hurdle, Shirse ended up finishing in third place to secure the final berth. India's impressive campaign at the Commonwealth Games 2026 gathered further momentum as Gyaneshwari Yadav secured the silver medal in the women's 53kg weightlifting event, earning the fifth medal for the Indian contingent at the Glasgow Games. The result continues India's strong tradition in Commonwealth Games weightlifting.

Jaffna Kings announce Bangladesh batter as Taskin Ahmed's replacement amid ongoing LPL season

In a major development, LPL (Lanka Premier League) franchise Jaffna Kings recently came forward and announced the replacement of Taskin Ahmed in their squad. It is worth noting that Taskin was ruled out of the tournament after he was unable to join the squad due to unavailability. As for Taskin Ahmed's replacement, Jaffna Kings came forward and named Bangladesh batter Towhid Hridoy. The 25-year-old boasts a good record in T20 cricket, having played a whopping 169 matches in the shortest format and having scored 4,092 runs to his name. He maintains an average of 31 runs in the format and will hope to put in a good show for Jaffna Kings in the tournament as well. It could be interesting to see how he fares in the upcoming games for the side. With the inclusion of Hridoy in the squad, Anil Mohan Sankhdhar, founder of IPG Group, the official rights holder of the LPL, came forward and talked about the move, heaping praise on Hridoy.

Raja Muthupandi fights back to bag silver in 65kg weightlifting as India's medal tally swells at CWG 2026

India's impressive run in weightlifting at the 2026 Commonwealth Games continued on Sunday (local time) as Raja Muthupandi produced a determined performance to clinch the silver medal in the men's 65kg category in Glasgow. His podium finish marked India's third medal of the day, with all three coming from weightlifting. The 26-year-old lifter finished with a combined total of 286kg, registering 126kg in the snatch and 160kg in the clean and jerk. His effort was enough to secure second place behind Malaysia's Aznil Bin Bidin Muhamed, who lifted a Commonwealth Games record total of 299 kg to claim his third consecutive Commonwealth Games gold medal after triumphs in Gold Coast 2018 and Birmingham 2022. Muthupandi made a confident start by successfully lifting 126kg in the snatch on his second attempt, placing himself firmly in medal contention. He then followed it up with a successful 160kg effort in the clean and jerk, also on his second attempt, taking his overall tally to 286kg and sealing the silver medal for India. The Glasgow silver is particularly significant considering Raja's challenging road back to elite competition.

Bindyarani Devi secures India's sixth medal at Commonwealth Games 2026

Star weightlifter Bindyarani Devi secured India's sixth medal at the Commonwealth Games 2026 as she won a bronze in the 58kg weightlifting at the Glasgow Games on Monday, July 27. Bindyarani won her second medal at the Commonwealth Games after having clinched a silver medal at Birmingham 2022. The Manipuri weightlifter lifted a total of 199kg across the Snatch and the Clean and Jerk categories to bring home a bronze. She lifted a best of 87kg in the Snatch on her third attempt after successful lifts of 84kg and 85kg. The 27-year-old listed 113kg as her first attempt in the Clean and Jerk but brought the weight down to 110kg at the 11th hour. She failed on her first attempt but lifted 112kg in her second attempt to seal the bronze. Her third attempt at 116kg was unsuccessful. Bindyarani has been one of the rising stars for India. She has now won her second medal in as many appearances at the Commonwealth Games. She had clinched a silver in the 55kg category in Birmingham after lifting a total weight of 202kg. She had won a gold at the Tashkent World Championships in 2021 in the 55kg category. Bindyarani had won a bronze in the 2024 World Cup in Phuket and a silver in the Asian Championships in Jinju, both 55kg wins. The Manipuri athlete had also won a gold in the 2019 Apia Commonwealth Championships, and silvers in the 2021 Tashkent and 2025 Ahmedabad Commonwealth Championships. The silver in Ahmedabad came in the 58kg category after she had moved her weight category up. This was India's sixth medal at the Glasgow Games. Earlier in the day, Gyaneshwari Yadav clinched the silver medal in the 53kg category to give India their fifth medal. As for the Clean and Jerk, she started with a lift of 103 kg.

Arshdeep Singh makes relationship with actress Samreen Kaur official with Instagram post

In a major development, India pacer Arshdeep Singh has made his relationship with model-actor Samreen Kaur official. The star player put an end to weeks of rumours around his relationship and made an Instagram post for the same as well, putting all reports to bed. Part of India's tour of Ireland and England, Arshdeep Singh has been spending his time in the UK and was seen enjoying a vacation with Samreen Kaur, as seen in pictures. The couple sparked rumours of their relationship during the IPL (Indian Premier League) 2026. Taking to Instagram, Arshdeep posted some pictures with Samreen Kaur with the caption "My Person," along with a heart emoji. It is also worth noting that a few days ago, Samreen Kaur had also posted a picture with Arshdeep Singh on her Instagram story. Speaking of Arshdeep Singh's on-field performances, the star player recently featured for India in their recently concluded multi-format series against England. It is worth noting that Arshdeep Singh was one of the highest wicket-takers in the T20I series against England. Taking four wickets in five T20Is, Arshdeep Singh finished in fifth place in the list of highest wicket-takers in the T20I series. However, the series did not go as planned for the Men in Blue. Coming on the back of a two-game series loss against Ireland, India had their confidence already dampened as they took on England.

Murali Sreeshankar qualifies for men's long jump final in CWG 2026; Sajan Prakash qualifies for swimming final

In one of the most brilliant performances in the ongoing Commonwealth Games 2026, India's Murali Sreeshankar performed brilliantly and qualified for the men's long jump event on July 27. It is interesting to note that Sreeshankar had to breach the eight-metre mark to qualify. In his very first attempt, the star man from India crossed the qualification mark and finished with a first attempt of 8.01 metres. Notably, the 27-year-old won the silver medal at the Commonwealth Games 2022 in Birmingham and will hope to put in a good show in the final as well. Murali Sreeshankar was the first athlete in the Qualifying Group A in the qualifiers. Many also wondered what would have happened had the 27-year-old failed to make the qualification mark. In that case, he would have needed to finish in the top 12 after the completion of the two groups. Furthermore, the Indian contingent performed brilliantly in swimming as well. Sajan Prakash made it to the 200m butterfly final as he finished in second place in the heats to secure qualification. Scotland's Duncan Scott won the heat race with a time of 1:58.29. Would see him set a personal best at the Commonwealth Games.

Shreyas Iyer, VVS Laxman hail India's performance after 3-0 series sweep over Zimbabwe

The Indian team completed a 3-0 T20I series sweep of Zimbabwe on Sunday, winning the final game of the series by 35 runs. The series was played without India's regular head coach, and interim head coach VVS Laxman took charge of the side for the series. After having won the third T20I of the series, the BCCI posted a video on X (formerly Twitter), where a post-match conversation in the dressing room was captured. Coach VVS Laxman and Iyer addressed the team and congratulated the players. The interim coach addressed the room first and appreciated Shreyas Iyer's mindset since taking over the captaincy. "We set out to win the series. That was what we aspired to do. I would like to congratulate Shreyas because he had a rough start to his captaincy career, but the way he came back, and right from the first day, when he joined us, one day before the first game, he was very optimistic," Laxman said in the clip. Laxman noted that Iyer's confidence was clear from the beginning, despite the team having numerous new players with only a few members returning from the England tour. "We know that only 4 or 5 were there in England who joined us on this tour. But he was so confident. And I think a lot of credit for this victory should be given to the captain."

What is the criteria to win the Ballon d'Or? France Football issues official clarification

The Ballon d'Or is undoubtedly the biggest individual award that a professional footballer can win his career. Awarded to the best player of the year, the Ballon d'Or is handed out by France Football magazine and is the holy grail for a footballer as far as individual awards go. The likes of Cristiano Ronaldo, Lionel Messi, Luka Modric, Kaka, Zinedine Zidane, and many others have won the Ballon d'Or, and it is almost time for the best player of the 2025–26 season to be awarded. There are many contenders to win the award this time around, with the likes of Harry Kane, Lamine Yamal, Lionel Messi, and many more in the running. However, with the FIFA World Cup 2026's recent conclusion, the standings could change massively. The last to pull off such a feat? 2013 Ronaldo.

'Dream come true': Vaibhav Sooryavanshi opens up on his performance

The Indian team performed exceptionally well in the third and final T20I against Zimbabwe. Taking on the side at the Harare Sports Club, India managed to register a 35-run victory. At the forefront of the win was 15-year-old Vaibhav Sooryavanshi. India whitewashed Zimbabwe, 3-0, in Harare, and Sooryavanshi came out as the highest run-scorer in the series with 151 runs in his three innings. His performances secured him his first international Player of the Match award and his first Player of the Series title as well. The achievement made him India's youngest player to win the titles. Following the game, the ecstatic 15-year-old spoke of his approach in the match and said that it all feels like a dream-come-true moment for him. "Yes, it's truly a dream-come-true moment."

जिन इलाकों में लगे होते हैं खूब सारे पेड़, वहां बुजुर्ग आबादी रहती है डिप्रेशन से कोसों दूर: स्टडी में खुलासा

संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डिप्रेशन एक आम मानसिक विकार है। इससे दुनिया के लगभग 28.0 करोड़ लोग जूझ रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो दुनिया के 5.7 फीसदी बुजुर्ग डिप्रेशन से पीड़ित हैं।

डिप्रेशन की वजह अनगिनत हैं, लेकिन हाल की एक स्टडी कैसे इससे बचा जा सकता है इस ओर ध्यान दिलाती है। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक लंबे समय तक चले अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वृक्षों वाले इलाकों में रहने से बुजुर्गों में बढ़ती उम्र के दौरान अवसाद (डिप्रेशन) से बचाव में मदद मिल सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने ऑस्ट्रेलिया की 'न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के सिडनी सेंटर फॉर हेल्दी ब्रेन एजिंग' (सीएचईबीए) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 'जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर्स' में प्रकाशित यह शोध स्वस्थ उम्र बढ़ने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अर्बन प्लानिंग की संभावित भूमिका को रेखांकित करता है। सीएचईबीए ने ऑस्ट्रेलियन कैथोलिक यूनिवर्सिटी के सहयोग से यह अध्ययन किया। इसमें 70 से 90 वर्ष की आयु के 1,000 से अधिक बुजुर्ग ऑस्ट्रेलियाई लोगों को शामिल किया गया और 12 वर्षों तक उनका अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने ऐसे इलाकों में जीवन बिताया जहां पेड़ों की छाया और हरियाली अधिक थी, उनमें समय के साथ अवसाद के लक्षण कम देखने को मिले। अध्ययन में कहा गया कि लंबे समय तक अधिक पेड़ों वाले वातावरण में रहने का संबंध लगातार कम अवसाद स्तर से पाया गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि दुनिया भर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग हर पांच वयस्कों में से एक व्यक्ति अवसाद से प्रभावित होता है।

छोटी-छोटी सावधानियां बरत कर मौसमी इंफेक्शन से बचें

बरसात के मौसम में केवल गर्मी से ही राहत नहीं मिलती, बल्कि मौसमी इंफेक्शन का भी खतरा रहता है। छोटी-छोटी सावधानियां बरतने से मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है, जिससे सेहत बनाए रखने में मदद मिलती है और बीमारियां नहीं होती हैं। मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए आयुष मंत्रालय की ओर से जानकारी साझा की गई है। आयुष मंत्रालय ने बताया है कि एक हेल्दी मानसून की शुरुआत साफ-सफाई की आसान आदतों से होती है। रोजाना की छोटी-छोटी सावधानियां मौसमी इंफेक्शन से बचाने और पूरी सेहत को बनाए रखने में बहुत मदद कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय ने मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए हाइजीन चेकलिस्ट जारी की है।

बताया गया है कि बरसात के मौसम में हाथ को नियमित तौर पर साबुन और पानी से धोना चाहिए। गीले कपड़े को तुरंत बदले चाहिए। अपने पैर साफ और सूखा रखना चाहिए। पानी जमा होने से रोकने के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए और मच्छरों को कम करने के लिए कचरे को ठीक से फेंकना चाहिए। अगर इन छोटी-छोटी सावधानियों को बरता जाता है तो मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है।

आयुष मंत्रालय ने बीते दिन खांसी के आम लक्षणों को पहचानने और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानकारी दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर आयुष मंत्रालय ने लिखा था, "लक्षणों से लेकर सेहत तक, बेहतर सांस की सेहत की ओर पहला कदम उठाएं। खांसी के आम लक्षणों को पहचानें और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानें जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल के हिस्से के तौर पर आराम और रिकवरी में मदद कर सकते हैं।"

बालों के झड़ने से है परेशान, जानें तेल लगाने का सही समय और तरीका

बालों की देखभाल को लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय हैं। कोई बालों में घंटों तेल लगाकर रखने को सबसे अच्छा तरीका मानता है, तो कोई जल्दी-जल्दी तेल लगाकर धो लेना पसंद करता है। लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में सबसे पुराना तरीका है बालों में तेल लगाना। लेकिन सवाल ये है कि क्या ज्यादा देर तक तेल लगाए रखना बालों के लिए फायदेमंद होता है? विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे बाल मुख्य रूप से केराटिन नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। बालों की बाहरी परत कई छोटी-छोटी कोशिकाओं से बनी होती है, जो पानी को सोखने की क्षमता रखती हैं। जब बाल बार-बार पानी के संपर्क में आते हैं तो ये कोशिकाएं फूल जाती हैं और सूखने के बाद वापस अपनी पुरानी स्थिति में लौटती हैं। यह प्रक्रिया लगातार होने पर बालों की मजबूती धीरे-धीरे कम हो सकती है। इस वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं, आसानी से टूट सकते हैं और दोमुंहे बालों की समस्या भी बढ़ सकती है। बालों को धोने से पहले तेल लगाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। नहाने से कुछ समय पहले बालों और स्कैल्प पर तेल लगाने से बालों के ऊपर एक हल्की सुरक्षा परत बन जाती है। यह परत बालों को जरूरत से ज्यादा पानी सोखने से बचाने में मदद करती है। इसके अलावा शैंपू में मौजूद कुछ रसायनों का सीधा असर बालों पर कम हो सकता है, जिससे बालों की प्राकृतिक नमी बनी रहती है और वे ज्यादा रूखे नहीं होते। कई लोग रातभर बालों में तेल लगाकर सोते हैं। उनका मानना होता है कि ज्यादा समय तक तेल लगा रहने से बालों को ज्यादा पोषण मिलेगा। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए यह तरीका सही नहीं होता। खासकर जिन लोगों की स्कैल्प ज्यादा तैलीय रहती है, उनके लिए लंबे समय तक तेल लगा रहना परेशानी बढ़ा सकता है। स्कैल्प पर प्राकृतिक रूप से एक तेल बनता है, जिसे सीबम कहा जाता है। जब इसके ऊपर लंबे समय तक अतिरिक्त तेल जमा रहता है तो कुछ लोगों में फंगल ग्रोथ बढ़ सकती है। इससे डैंड्रफ, सिर में खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में स्कैल्प की यह परेशानी बालों के झड़ने को भी बढ़ा सकती है। इसलिए तेल को जरूरत से ज्यादा देर तक लगाए रखना हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं माना जाता। तेल लगाते समय इसे धीरे-धीरे बालों की लंबाई और स्कैल्प पर लगाना चाहिए।

काला नमक और हींग को पेट के लिए माना जाता है अमृत समान, फायदे इतने कि जानकर हो जाएंगे हैरान

काला नमक और हींग का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इनका एक साथ सेवन सेहत के लिए बेहद लाभकरी है। खासकर पेट से जुड़ी समस्याओं में ये काफी लाभप्रद माने जाते हैं। सुबह के समय खाली पेट काला नमक और हींग का पानी पीना काफी फायदेमंद माना गया है। चलिए जानते हैं इनका सेवन सेहत से जुड़ी किन परेशानियों में कारगर है?

पाचन करता है बेहतरः नमक और हींग दोनों ही पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए जाने जाते हैं। ये आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। इनका एक साथ सेवन पाचन संबंधी विकारों से प्रभावी रूप से निपटने में मदद कर सकता है।

वजन कम करेः हींग और काले नमक का सेवन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन नियंत्रण में भी मदद करता है। इस मिश्रण को अपने डाइट में शामिल करने से मोटापा कम करने में मदद मिलती है, खासकर उन लोगों के लिए जो अतिरिक्त वजन कम करना चाहते हैं।

एसिडिटी और ब्लोटिंग से छुटकाराः अगर आप भी एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या से पीड़ित हैं तो काला नमक और हींग का पानी पीना शुरू करें। हींग और काले नमक का मिश्रण ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। ये तत्व एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट से भरपूर होते हैं, जो सूजन और एसिडिटी की समस्याओं से प्रभावी रूप से निपट सकते हैं।

मतली से राहतः मतली से राहत मतली से राहत के लिए काले नमक और हींग के मिश्रण की सलाह दी जाती है। उनके पाचन गुण पाचन प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं, जिससे उल्टी और मतली से राहत मिलती है। इन्हें गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से तुरंत राहत मिलती है।

बॉडी डिटॉक्सिफिकेशनः हींग और काले नमक का मिश्रण बॉडी डिटॉक्सिफिकेशन के लिए बेस्ट है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। गुनगुने पानी में दोनों की एक चुटकी मिलाकर पीने से शरीर की विषाक्तता को कम किया जा सकता है। फिर भी, इनके स्वास्थ्य लाभों पर उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं और इन्हें किसी बीमारी के उपचार का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

विश्व हेड एंड नेक कैंसर दिवसः थायरॉयड नोड्यूल बनाम गर्दन की गांठ, कब हो जाना चाहिए सतर्क?

डॉ. जितेन्द्र शर्मा- गर्दन में कोई छोटी-सी गांठ या हल्की सूजन दिखाई देने पर अधिकांश लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। यदि इससे तुरंत दर्द न हो, तो अक्सर लोग इसे सूजी हुई ग्रंथि, हल्के गले के संक्रमण या अस्थायी समस्या मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। व्यस्त दिनचर्या के बीच डॉक्टर से परामर्श लेना भी अक्सर टलता रहता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि गर्दन की हर गांठ सामान्य या हानिरहित नहीं होती, खासकर ऐसे समय में जब देश में कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुमान के अनुसार, इस वर्ष भारत में 15.3 लाख से अधिक नए कैंसर मामलों के सामने आने की संभावना है। देश में सिर और गर्दन के कैंसर सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में शामिल हैं, जिनका सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है। अक्सर लोगों के मन में यह सवाल होता है कि थायरॉयड नोड्यूल और सामान्य गर्दन की गांठ में क्या अंतर है। थायरॉयड नोड्यूल, थायरॉयड ग्रंथि के भीतर बनने वाली एक विशेष प्रकार की गांठ होती है। थायरॉयड एक तितली के आकार की ग्रंथि है, जो गर्दन के निचले हिस्से में श्वासनली (विंडपाइप) के सामने स्थित होती है। उम्र बढ़ने के साथ थायरॉयड संबंधी समस्याएं अधिक सामान्य हो जाती हैं, लेकिन अधिकांश थायरॉयड नोड्यूल पूरी तरह सौम्य (बेनाइन) होते हैं। हालांकि अधिकांश गांठें कैंसरयुक्त नहीं होतीं, फिर भी सही कारण जानने और किसी गंभीर बीमारी को समय रहते पहचानने के लिए विशेषज्ञ से जांच कराना आवश्यक है।

गले की खराश, आवाज बैठना या मुंह का न भरने वाला घाव

हर साल 27 जुलाई को विश्व हेड एंड नेक कैंसर डे मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को सिर और गर्दन से जुड़े कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच करके सही इलाज के महत्व को समझाना है। भारत में सिर और गर्दन का कैंसर सबसे आम कैंसरों में से एक है।

लेकिन चिंता की बात ये है कि ज्यादातर मरीज जब तक डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, तब तक बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। अगर इसके लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते जांच कराई जाए, तो इस कैंसर का सफल इलाज संभव है। दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल्स के डॉक्टर अक्षत मलिक (सीनियर कंसल्टेंट, हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी) ने बताया कि हेड एंड नेक कैंसर मुंह, जीभ, मसूड़ों, गाल के अंदरूनी हिस्से, होंठ, गले, स्वरयंत्र (वॉयस बॉक्स), नाक, साइनस और लार ग्रंथियों में हो सकता है।

इनमें से मुंह और गले का कैंसर भारत में सबसे अधिक देखा जाता है। आइये जानते हैं सिर और गर्दन के कैंसर के शुरुआती लक्षण क्या हैं और इन्हें कैसे पहचान सकते हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दो से तीन सप्ताह से अधिक समय तक रहते हैं तो बिना देरी किए डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

बरसात में रहना है सेहतमंद? तो रोजमर्रा की इन छोटी आदतों से करें संक्रमण का बचाव

चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने के साथ-साथ मानसून अपने साथ प्रकृति की हरी-भरी सुंदरता भी लेकर आता है लेकिन इसके आगमन से कई तरह के मौसमी संक्रमण और बीमारियां भी पनपती हैं। उमस और नमी के दौर में सतर्कता और स्वच्छता सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बनता है।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर व्यक्ति छोटी-मोटी और आसान आदतों का ध्यान दे, तो वह न सिर्फ अपने परिवार को सुरक्षित रख सकता है बल्कि पूरे मानसून में खुद ऊर्जावान और स्वस्थ भी बना रह सकता है।

इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने हेल्थ एडवाइजरी जारी की, जिसमें उन्होंने मानसून में कुछ सावधानियों पर जोर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी पोस्ट में उन्होंने लिखा, "स्वस्थ मानसून (बरसात) की शुरुआत अच्छी स्वच्छता की आदतों से होती है। रोजमर्रा की छोटी-छोटी सावधानियां आपको मौसम में होने वाले संक्रमणों से बचाने और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में बड़ी मदद कर सकती हैं।" आयुष मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में सबसे पहले उन्होंने नियमित रूप से हाथ धोने पर जोर दिया है। उनके अनुसार, नियमित रूप से हाथ धोना काफी नहीं है बल्कि सही तरीके से हाथ धोना जरूरी है। इसके लिए 'सुमन-के' तरीके से हाथ धोने के लिए बताया जाता है, जिसमें एस (सीधा), यू (उल्टा), एम (मुट्ठी), ए (अंगूठा), एन (नाखून) और के (कलाई) के छह चरण शामिल होते हैं। यह विधि हाथों को पूरी तरह साफ करके कीटाणुओं और बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

चेहरे की चमक से लेकर बालों की मजबूती तक, बादाम का तेल है कुदरती ब्यूटी टॉनिक

आजकल बढ़ता प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खराब खानपान और तनाव का असर सबसे पहले हमारी त्वचा और बालों पर दिखाई देता है। कम उम्र में ही बाल झड़ने लगते हैं और त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन अगर कुछ प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा फायदा मिल सकता है। इन्हीं में से एक है बादाम का तेल। बादाम के तेल में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा और बालों दोनों की देखभाल में मदद कर सकते हैं। बादाम के तेल में विटामिन ई, हेल्दी फैट, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह त्वचा की नमी बनाए रखने, बालों को मुलायम बनाने और बाहरी नुकसान से बचाने में मदद करता है। बादाम के तेल से हल्के हाथों से सिर की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है और वे पहले से ज्यादा मुलायम महसूस होते हैं। कुछ लोग बादाम के तेल को जैतून के तेल के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। इससे बालों की देखभाल बेहतर तरीके से होती है। हालांकि अगर बाल बहुत ज्यादा झड़ रहे हों, तो पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स की समस्या भी आजकल काफी आम हो गई है।

नॉर्मल ईसीजी और कोलेस्ट्रॉल के बाद भी बढ़ सकता है हार्ट अटैक का खतरा

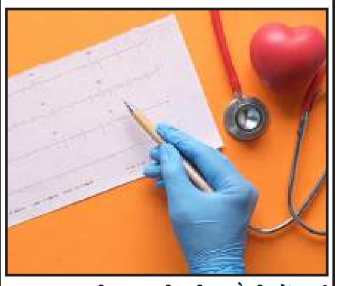

आजकल की बदलती जीवनशैली में हार्ट अटैक के मरीज तेजी से बढ़े हैं। इसके पीछे मुख्य कारण, नसों में ब्लॉकेज और शरीर में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। ऐसे में इसे कंट्रोल करने के लिए लोग डाइट से लेकर दवाइयों का सहारा लेते हैं। जैसे ही लोगों का ईसीजी, ईको या कोलेस्ट्रॉल प्रोफाइल नार्मल आता है तो उन्हें लगता है कि उनका हार्ट हेल्दी है। लेकिन गुरुग्राम स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल में डायरेक्टर और हेड कार्डियो थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जन डॉक्टर महेश वाधवानी कहते हैं कि ऐसा नहीं है। डॉक्टर महेश वाधवानी के अनुसार, हार्ट अटैक एक दिन में नहीं आता है, इसका बिल्डअप सालों से हो रहा होता है। ऐसे में समय रहते इसका लक्षण पहचानना बहुत ज़रूरी है। डॉक्टर कहते हैं, ''कई बार लोगों ईसीजी और कोलेस्ट्रॉल चेक करा लेते हैं और मेरे पास आकर कहते हैं कि उनका रिपोर्ट तो नार्मल आया है लेकिन उनके छाती में दर्द हो रहा है ऐसे में जनाना ज़रूरी है कि ऐसा क्यों होता है? डॉक्टर महेश वाधवानी के अनुसार, ईसीजी में बदलाव अक्सर तभी दिखता है जब हार्ट में डैमेज हो। और हार्ट में डैमेज हमेशा हार्ट अटैक के बाद ही नज़र आता है। ईसीजी का टेस्ट है बताता है कि अभी हार्ट अटैक हुआ है या पहले हुआ है। लेकिन भविष्य में आपको हार्ट अटैक होगा या नहीं वह यह नहीं बताता है।

खराब जीवनशैली और पीठ की जकड़न से हैं परेशान? रोजाना करें 'सेतु बंध सर्वांगासन'

आज की जीवनशैली की व्यस्तता, गलत बैठने के तरीके और तनावपूर्ण माहौल में शरीर और मन को स्थिरता मिलना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में 'सेतु बंध सर्वांगासन' एक संजीवनी की तरह कार्य करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, सेतु बंध सर्वांगासन (ब्रिज पोज) एक शक्तिशाली योगासन है जो छाती को खोलता है, पीठ को मजबूत बनाता है और मन को शांत करता है। इसकी संरचना और शरीर पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के कारण ही इसे यह नाम मिला है। इस आसन के नियमित अभ्यास से कमर दर्द और पीठ के निचले हिस्से की जकड़न को कम करने में मदद मिलती है। यह थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करता है, जिससे हार्मोनल संतुलन में सुधार होता है। साथ ही, यह तनाव और अवसाद को कम करने भी मदद करता है। इसके अलावा, पाचन तंत्र को बेहतर बनाता और रक्त संचार का फ्लो भी सही रखता है। महिलाओं में पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं को कम करने में भी प्रभावी है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अपने हाथों को शरीर के दोनों तरफ रखें, हथेलियां नीचे की ओर हों। अब दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं, ताकि पैर जमीन पर सपाट रहें। सांस अंदर लेते हुए अपने कूल्हों, कमर और पीठ के निचले हिस्से को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं। आप अपने हाथों की उंगलियों को जमीन पर आपस में इंटरलॉक करके कंधों को थोड़ा और अंदर की ओर खिसका सकते हैं। चाहें तो हाथों से टखनों को भी पकड़ सकते हैं।

इस अवस्था में ठुड्डी को सीना छूने का प्रयास करें। आपका सारा वजन कंधों, भुजाओं और पैरों पर होना चाहिए। सामान्य रूप से सांस लेते रहें और इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रुकें। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपनी कमर और पीठ को वापस जमीन पर ले आएं। यदि आपकी गर्दन या पीठ में कोई गंभीर चोट या समस्या है, तो इस आसन को करने से बचें। योग विशेषज्ञों के अनुसार, सेतु बंध सर्वांगासन का अभ्यास हमेशा खाली पेट या भोजन के कम से कम तीन से चार घंटे बाद करना चाहिए। सुबह के समय इसका अभ्यास अधिक लाभकारी माना जाता है, हालांकि शाम के समय भी इसे किया जा सकता है। अभ्यास के दौरान शरीर को अपनी क्षमता के अनुसार ही ऊपर उठाएं और किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव डालने से बचें। इस आसन के नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन बढ़ता है और छाती व फेफड़ों का बेहतर विस्तार होने से श्वसन क्षमता में सुधार हो सकता है। यह कंधों, जांघों, कूल्हों और ग्लूट्स की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में सहायक माना जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह आसन लाभकारी माना जाता है।

रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर ने मनाया केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का 88वां स्थापना दिवस

जयपुर। रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का 88वां स्थापना दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम संस्थान के समारोह स्थल पर बी.ए.के. चौरसिया, पुलिस उप महानिरीक्षक, डॉ. संगीता मेरी राजा (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) व आरटीसी के सभी अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवानों द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात क्वार्टर गार्ड में सलामी ली गई। बी.ए.के. चौरसिया, पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया गया, जिसमें उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई 1939 को सी.आर.पी.एफ. की स्थापना मध्य प्रदेश के नीमच में हुई थी, तब इसका नाम क्राउन रिप्रेजेन्टेटिव पुलिस (CRP) था। आजादी के बाद वर्ष 1949 में क्राउन रिप्रेजेन्टेटिव पुलिस को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के रूप में परिवर्तित किया गया। आज विश्व के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने देश की सेवा में अपने 87 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। लगभग सवा तीन लाख से अधिक जांबाजों का यह समूह देश की आन्तरिक सुरक्षा का सबसे बड़ा प्रहरी है। भारतवर्ष इस महान बल की वीरता एवं बलिदानों का साक्षी है। इस उपलक्ष्य में पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा इस संस्थान में पदस्थ 05 अधिकारियों/कार्मिकों को बटालियन/संस्थान में पदस्थापना अवधि के दौरान उल्लेखनीय कार्य हेतु महानिदेशक डिस्क एवं महानिदेशक प्रशस्ति प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उपमहानिरीक्षक/प्राचार्य ने संस्थान में पौधारोपण अभियान चलाया, जिसमें 3000 पौधे लगाए गए। इसके उपरान्त खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक बी.ए.के. चौरसिया ने कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने देश की आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद

एवं नक्सलवाद विरोधी अभियानों, चुनावी ड्यूटी, आपदा प्रबंधन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उन्होंने बल के शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी वीरता और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों और जवानों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना के साथ राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। साथ ही आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए नियमित प्रशिक्षण, शारीरिक दक्षता और तकनीकी कौशल को निरंतर विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य में प्रत्येक जवान की सतर्कता, पेशेवर दक्षता और टीम भावना अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अधिकारियों, जवानों और प्रशिक्षणरत कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी खेल प्रतिभा और सांस्कृतिक कौशल का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया।

आईसीडीएस निदेशक ने किया 181 हैल्पलाइन कॉल सेंटर का निरीक्षण

जयपुर। आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवाएं) निदेशक वासुदेव मालावत ने कहा कि राजस्थान संपर्क (181) पोर्टल पर विभाग की शिकायतों के निस्तारण में 73.54 प्रतिशत नागरिक संतुष्टि प्राप्त होना प्रभावी एवं जन-केंद्रित शिकायत निवारण व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे नागरिकों का विश्वास और मजबूत हो। मालावत ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कंट्रोल रूम का दौरा कर विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिये। उन्होंने लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण तथा शिकायतों के प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया। समीक्षा के दौरान मालावत ने परिवादियों से दूरभाष पर सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने शिकायतों के समाधान, प्राप्त राहत एवं विभागीय कार्यवाई के प्रति शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का फीडबैक लिया।

कांग्रेस आगामी चुनाव में आधे टिकट 50 वर्ष से कम उम्र के नेताओं को देगी: डोटासरा

हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रदेश में स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कांग्रेस और बीजेपी ने इसके लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने इस बार शहरी निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में आधे टिकट 50 साल से कम उम्र वालों को देने का फैसला किया है। इस बार पार्षद, नगर पालिका अध्यक्ष, सभापति और मेयर के आधे उम्मीदवार 50 साल से कम उम्र के बनाए जाएंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कांग्रेस मुख्यालय में शहरी निकायों के चुनावों की तैयारियों के सिलसिले में बुलाई गई बैठक के दौरान कहा- "हमने घोषणा कर रखी है कि शहरी निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र वालों को देंगे। जिनकी उम्र ज्यादा है वे अपनी जगह जवान उम्मीदवारों को तैयार करें। 70-80 साल वालों ने टिकट मांगा तो दिक्कत आएगी। हालांकि आधे टिकट तो 50 साल से ज्यादा वालों के लिए रहेंगे ही, लेकिन मैं पार्टी की थीम की बात कर रहा हूं।" डोटासरा ने कहा कि जो जीतने में सक्षम होता है, वह जोड़-तोड़ करके अपना बोर्ड बना लेता है और चेयरपर्सन बन जाता है। कई कांग्रेस के टिकट पर जीते हुए भी चले जाते हैं। हमें इस बात का खास ध्यान रखना है कि इस गंदगी में नहीं पड़ना है। पार्टी हाईकमान जिसे टिकट दे, निकाय प्रमुख बनाए, उसके साथ खड़े रहना है। कांग्रेस ने उदयपुर में मई 2022 में हुई चिंतन बैठक के बाद जारी किए गए उदयपुर डिक्लेरेशन में 50 फीसदी टिकट 50 से कम उम्र वालों को देने की घोषणा की थी। इसके बाद शहरी निकाय और पंचायतीराज चुनावों में पहली बार इसका पालन होने जा रहा है। पहले इनके चुनाव एक साथ नहीं हुए थे। कांग्रेस ने फेजमैनर में इस फार्मूले को लागू करने की घोषणा की थी। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि इस पहल का उद्देश्य संगठन में युवा नेतृत्व को अधिक अवसर देना और स्थानीय स्तर पर नई पीढ़ी को राजनीतिक जिम्मेदारियों के लिए तैयार करना है।

CJP की दोबारा आंदोलन की चेतावनी, बोली-सरकार ने समझौता तोड़ा, देशभर में सैकड़ों छात्र अरेस्ट, झूठे मुकदमे किए

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सोमवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौता तोड़ा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। दिल्ली में हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में CJP नेता आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। CJP ने कहा कि हमने एक पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए पीड़ित छात्र अपनी परेशानी शेयर कर सकते हैं। वे केस इन्फॉर्मेशन और वीडियो भी शेयर कर सकते हैं। इससे पहले दिन में CJP प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को X पर लिखा था कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर स्थगित किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। CJP ने चेतावनी दी कि यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है, तो यह लाखों युवाओं के विश्वास के साथ धोखा होगा।

प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव करवाने के लिए बड़ा आंदोलन करेंगे - दिग्विजय चौटाला

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि आगामी पांच अगस्त को छात्र संगठन इनसो के 24वें स्थापना दिवस को छात्र विजय दिवस के रूप में मनाया जाएगा और हरियाणा में प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव करवाने को लेकर बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। वे सोमवार को सिरसा में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस छात्र विजय दिवस पर दिल्ली से स्टूडेंट्स को सोच को बुलंदी देने वाले लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा ताकि हरियाणा में भी छात्र संघ के चुनावों को गति दी जा सके। दिग्विजय ने कहा कि इसके लिए वे स्वयं अपने छात्र संगठन व अन्य संगठनों की आपसी सहमति के बाद से तमाम शैक्षणिक संस्थानों में इसके लिए माहौल तैयार कर सरकार को ऑनलाइन व ऑफलाइन के माध्यम से छात्र संघ के चुनाव करवाने के लिए बाध्य किया जाएगा। युवा जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि साल 2017-18 में इनसो ने प्रदेशभर में प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ के चुनाव करवाने के लिए बड़ा आंदोलन किया था मगर उस दौरान भाजपा सरकार ने छात्र संगठनों को झूठा आश्वासन देकर आंदोलन को शांत करवाया दिया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के झूठे आश्वासनों से परेशान होकर अब फिर बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों ने जिस प्रकार धर्म, संप्रदाय व जाति से परे होकर अपने लक्ष्य को हासिल किया जो जाहिर करता है कि युवा पीढ़ी के हाथों में देश सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि पेपर लीक मामले में हरियाणा शीर्ष पर है। दिग्विजय ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड में हो रही धांधली का भी जिक्र किया कि किस प्रकार पात्र युवाओं को नौकरियों से वंचित किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी स्टोरेज डिवाइस को भी गायब कर दिया गया है जिसकी शिकायत वे महामहिम राज्यपाल हरियाणा से भी करेंगे। यदि इस पर भी न्याय नहीं मिला तो वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का रुख करेंगे और न्याय मांगेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का भगवाकरण नहीं होने दिया जाएगा।

“गिरफ्तार छात्र मंगलवार तक नहीं छूटे तो दोबारा प्रदर्शन होगा”, CJP के सौरव दास बोले- ‘कपिल सिब्बल भी हमारे साथ’

सौरव दास ने बताया कि कपिल सिब्बल ने एक लाख रुपये भी दिए हैं , जिनका इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों को कानूनी मदद देने में किया जाएगा।

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा है कि अगर मंगलवार तक गिरफ्तार छात्र नहीं छोड़े गए तो सीजेपी दोबारा प्रदर्शन शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई को सरकार की तरफ से आश्वासन दिया गया था कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि, अब प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर मंगलवार तक लिखित समझौता नहीं आता है और देशभर में गिरफ्तार छात्रों को नहीं छोड़ा जाता है तो कॉकरोच जनता पार्टी अपना धरना दोबारा शुरू करने के लिए मजबूर होगी। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार संविधान देता है और किसी आंदोलन का हवाला देकर ''पुलिस की ज्यादतियों'' या 'लाठीचार्ज' को उचित नहीं ठहराया जा सकता। सौरव दास ने बताया कि राज्यसभा सांसद और देश के सबसे वरिष्ठ वकीलों में से एक कपिल सिब्बल भी उनके साथ हैं। कपिल सिब्बल ने एक लाख रुपये भी दिए हैं। इन पैसों का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों को कानूनी मदद दिलाने में किया जाएगा। कपिल सिब्बाल ने कहा, "हमलोग ने तय किया है, जहां-जहां इनके खिलाफ मामले होंगे वहां-वहां इनको लीगल हेल्प दूंगा। मैं अपनी ओर से एक करोड़ रुपया दूंगा, ताकि कानूनी लड़ाई लड़ी जा सकी। दूसरों से भी कहूंगा कि वे कंट्रीब्यूट करें। दिल्ली की पुलिस फेशियल रिकग्नाइजेशन के जरिये लोगों को टारगेट करेगी ऐसा लगता है। इसमें कम्युनल एंगल भी लाया जा सकता है। हम सब को ये तय करना है कि इनको टारगेट न किया जाए।" सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, "25 जुलाई को नड्डा जी और जितेंद्र सिंह जी और दिल्ली पुलिस कमिश्नर से जो बात हुई थी, उसमें उन्होंने कहा था कि हमें अबतक हुई एफआईआर की कॉपी देंगे, लेकिन ये हमें अब तक नहीं दिया गया है। हम चाहेंगे कि एफआईआर की कॉपी हमें जल्द से जल्द दी जाएं।" वहीं, सौरव दास ने कहा, "हम एक वेबसाइट बनाएंगे ताकि हम लोगों तक पहुंच सकें।" पुलिस की कथित ज्यादती के सबूत जुटाने के लिए 'साक्षी' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, राज्य के विकास पर चर्चा की

नई दिल्ली। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य के समग्र विकास और जन कल्याण पर विस्तृत चर्चा की। पार्टी की राज्य इकाई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस मुलाकात के दौरान ढिल्लों ने प्रधानमंत्री को राज्य की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र, किसानों और मजदूरों की चिंताओं, युवाओं की आकांक्षाओं, कानून व्यवस्था, गैंगस्टरों के खतरे और कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों सहित वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। मुलाकात के बारे में बात करते हुए ढिल्लों ने कहा कि यह बेहद सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुई और प्रधानमंत्री ने हर मुद्दे को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पंजाब को लेकर बहुत चिंतित हैं और राज्य की मौजूदा परिस्थितियों से भलीभांति परिचित हैं। चर्चा के दौरान, प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में पंजाब में काम करने के अपने अनुभव भी साझा किए। ढिल्लों ने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर होने के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी जमीनी स्तर पर पंजाब से घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे। ढिल्लों ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की नाकामियों और दिशाहीन नीतियों के कारण पंजाब आर्थिक और प्रशासनिक दोनों ही क्षेत्रों में लगातार पिछड़ता जा रहा है।

‘छात्रों पर AK-47 चलाना और लाठीचार्ज करना गलत, हम इसके विरोध में’, NDA के सांसद का बड़ा बयान

बिहार के सिवान जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा एके-47 तान देने पर मामला गर्मा गया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की सांसद शांभवी चौधरी भी छात्रों के समर्थन में उतर आई हैं। सांसद चौधरी ने बिहार में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल के इस्तेमाल और देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शनकारी युवाओं पर लाठीचार्ज को सोमवार को गलत बताते हुए कहा, 'हम इसके खिलाफ हैं।' जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ताओं ने स्वीकार किया है कि प्रदर्शनों के दौरान असामाजिक तत्व मौजूद थे और कानून-व्यवस्था कायम रखी गई। शांभवी चौधरी ने संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि आप शांति से अपनी बात रख सकते हैं। शांतिपूर्ण विरोध का हमेशा स्वागत है, और हमारे लोकतंत्र में युवाओं को इसमें शामिल होने और अपनी बात रखने का अधिकार है।' शनिवार को बिहार के सिवान जिले में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी का एके-47 राइफल का इस्तेमाल करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। सीवान के पुलिस अधीक्षक (SP) पूरण कुमार झा ने कहा कि गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415